समावर्तन

२०१६

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल घूसड़, गोरखपुर–२७३ ०१४ (उ.प्र.)

Web : www.mpm.edu.in | **e-mail :** mpmpg5@gmail.com | **Phone :** 0551-2105416

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से निःसृत-

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि-

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन-अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की १९३२ ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित साढ़े तीन दर्जन से भी अधिक शिक्षण-संस्थाओं में २५ हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् १९३२ ई. में गुरूदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए १९५७-५८ ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्रबंधक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। १९२० ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और १९३०-३१ ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। १९१५-१६ ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से ४ फरवरी १९१६ ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए १९३२ ई.में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुन: स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत १९३२ ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। १९३५ ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और १९३६ ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

१९४९-५० ई. में इसी परिसर में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त १९५८ ई. में महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराज ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में साढ़े तीन दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण तथा सेवा केन्द्र संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराण प्रताप इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा बिहार रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप जूनियर हाईस्कूल लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी, पीपीगंज, गुरू गोरखनाथ विद्यापीठ, पीतेश्वरनाथ मन्दिर, कान्हापार, भरवहिया, पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरू श्री गोरक्षनाथ स्कूल आफ नर्सिंग गोरखनाथ मन्दिर, महायोगी गुरू गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरू श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरू श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ एवं योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवाश्रम (छात्रावास) जंगल धूसड़, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार तथा दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार तथा अभी १२ फरवरी को लोकार्पित आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल, देवीपाटन, तुलसीपुर, बलरामपुर प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरू गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ

संसद सदस्य, लोकसभा
भारत

प्रबन्धक
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़

शुभकामना संदेश

शिक्षा में गुणवत्ता का गिरता स्तर उच्च शिक्षा के समक्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। उच्च शिक्षा परिसरों में अराजकता, अपराधियों का बढ़ता प्रभाव, राष्ट्र विरोधी तत्वों का किंचित संरक्षण तथा राजनीतिक दलों का सक्रिय हस्तक्षेप और शिक्षा संस्कृति का निरन्तर ह्रास गम्भीर चिंता का विषय है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त, युगानुकूल और भारतीय संस्कृति केन्द्रित शिक्षा के प्रसार हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। उपर्युक्त विषम परिस्थितियों में चुनौती को स्वीकार करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना २००५ ई. में की गयी। शीघ्र ही इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी। पूरे सत्र में १८० दिन पढ़ाई, ३० जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेने, सप्ताह में एक दिन की कक्षा छात्र-छात्राओं द्वारा पढ़ाये जाने, सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान एवं श्रीमदभगवतगीता के ५ श्लोक अथवा महापुरुषों की स्मृति के साथ महाविद्यालय की प्रतिदिन की दिनचर्या शुरू करने, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का आयोजन, सप्ताह में एक दिन स्वैच्छिक श्रमदान, विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन, विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, कक्षाध्यापन में अद्यतन तकनीकों का प्रयोग जैसे नये-नये प्रयोगों के साथ इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय ख्याति अर्जित की है।

छात्रसंघ की संरचना में नया प्रयोग एवं प्रशासनिक व्यवस्था में छात्र सहभाग की योजना प्रशंसनीय है। प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव गोद लेकर वहाँ जन-जागरण के माध्यम से सामाजिक दायित्व बोध पैदा करना एक अभिवन प्रयोग है। यदि ये प्रयोग सफल हुये तो निश्चय ही यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मानक महाविद्यालय के रूप में जाना जायेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उददेश्यों के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कार का प्रयास भी सराहनीय है। 'गाउन' के स्थान पर भारतीय वेश-भूषा में 'समावर्तन संस्कार' समारोह का प्रारम्भ से आयोजन भी शिक्षा परिसर में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का महत्वपूर्ण प्रयास है। 'समावर्तन संस्कार' समारोह की सफलता एवं वर्तमान सत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा पूर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के पथ पर निरन्तर अग्रसर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मेरी हार्दिक शुभकामना।

(योगी आदित्यनाथ)
सचिव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
प्रबन्धक/सचिव, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

Dr. Bholendra Singh
M.Com. Ph.D.
Ex. Vice Chancellor
Poorvanchal University, Jaunpur

☎ 0551-2256934
Residence :
A-64, Surajkund Colony,
Gorakhpur-273 001

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल अविस्मरणीय है। १९३२ ई. में ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ शिक्षण संस्थानों की जो शृंखला खड़ी हुई, उसमें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना उच्च शिक्षा में बढ़ते कदम का अगला पड़ाव था। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की इच्छा एवं प्रेरणा से स्थापित यह महाविद्यालय ग्यारहवाँ वर्ष पूरा करने जा रहा है। इस सत्र में महाविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त कर चुके नौवाँ 'बैच' एवं स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर चुके पांचवें 'बैच' के लिए 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन एक प्रशंसनीय प्रयास है। इस प्रयास की सफलता हेतु मैं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामना एवं धन्यवाद प्रेषित कर रहा हूँ।

(भोलेन्द्र सिंह)
अध्यक्ष-महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर

प्रो. यू. पी. सिंह

पूर्व कुलपति

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर (उ.प्र.)

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने १९३२ ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की शृंखला खड़ी की। तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की देख-रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में १९५५ से १९५८ ई. तक कार्य करने का मुझे सुअवसर मिला जिस भूमि भवन पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई।

अपने अल्प समय में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय भारतीय संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा। महाविद्यालय के नवें 'समावर्तन संस्कार' समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

उ० प्र० सिंह

(यू.पी. सिंह)

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, अध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार
कुलपति

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर-273009 (उ.प्र.) भारत

शुभकामना संदेश

युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला (सप्त दिवसीय, २७ अगस्त से २ सितम्बर २०१४) के उद्घाटन समारोह में 'मुख्य अतिथि' के रूप में महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा मुझे आमंत्रित किया गया। मैंने आमंत्रण स्वीकार कर २७ अगस्त २०१४ को महाविद्यालय पहुँचा। यह देखकर सुखद आश्चर्य हुआ कि व्याख्यान-माला की तैयारी के साथ महाविद्यालय की सभी कक्षाएँ चल रही थीं। महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो.यू.पी. सिंह एवं प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के साथ मैं महाविद्यालय के पठन-पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण करने के उद्देश्य से कक्षाओं की ओर बढ़ गया। लगभग सभी कक्षाओं में गया। ४५ मिनट के इस निरीक्षण में महाविद्यालय में स्वच्छता और अनुशासन की अद्भुत झाँकी दिखी। घर की तरह साफ-सुथरा महाविद्यालय-भवन के फर्श, दीवाले, विशाल परिसर भी हो सकता है यह एहसास हुआ। एक भी विद्यार्थी टहलता नहीं दिखा, पुस्तकालय का वातावरण शान्त। बैठे शिक्षक-विद्यार्थी पठन-पाठन में ध्यानस्थ। हमारे प्रवेश करने पर कोई आपा-धापी नहीं। विद्यार्थी खड़े हुए और फिर बैठकर पढ़ने लगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश का कोई महाविद्यालय अपने सभी विद्यार्थियों को प्रतिदिन व्याख्यान के सारांश की छायाप्रति उपलब्ध कराकर पठन-पाठन कराता है, यह कल्पना नहीं थी। इस महाविद्यालय के प्रत्येक कक्षा में विद्यार्थियों के पास व्याख्यान के सारांश की छायाप्रति उपलब्ध थी। कई कक्षाएँ पावर प्वाइंट द्वारा पढ़ाई जा रही थी। पठन-पाठन की गुणवत्ता पर पूछ-ताछ में यह प्रमाणित हुआ कि यहाँ सप्ताह में एक दिन कक्षा विद्यार्थी पढ़ाता है, विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन शिक्षक करते हैं, पूर्व नियोजित पाठ्यक्रम-योजनानुसार कक्षाएँ पढ़ाई ही जा रही थीं, शिक्षकों का मूल्यांकन विद्यार्थी भी करते हैं, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या, शिक्षक कार्यवृत्त का प्रतिमाह भरा जाना, शिक्षक आचार संहिता सब कुछ का आश्चर्यजनक ढंग से व्यवस्थित क्रियान्वयन। इसी बीच एक घंटी लगी और विद्यार्थी विशाल सभागार में बैठ गए। कार्यक्रम क्षण-अनुक्षण के अनुसार प्रारम्भ हुआ और वन्देमातरम् के साथ पूर्ण होते ही अगली घंटी लगी और विद्यार्थी कक्षाओं में। मानो अनुशासन एवं संस्कार में सधे विद्यार्थी किसी गुरुकुल की शोभा हों। अद्भुत-अद्वितीय। महाविद्यालय अद्यतन अपनी गुणवत्ता कायम किये हुए है। योगीराज बाबा गम्भीरनाथ छात्रावास का लोकार्पण एवं नैक की पियर टीम के निरीक्षण के दौरान मुझे पुनः महाविद्यालय जाने का अवसर प्राप्त हुआ। महाविद्यालय की प्रगति में निरन्तरता का अहसास हुआ। यह महाविद्यालय विश्वविद्यालय का मॉडल कालेज बन चुका है।

समावर्तन संस्कार समारोह ऐसे महाविद्यालय की कार्य-संस्कृति का हिस्सा होगा, यह स्वाभाविक ही है। समावर्तन-संस्कार समारोह के अवसर पर स्नातक-स्नातकोत्तर की शिक्षा इस महाविद्यालय से पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों को यशस्वी जीवन की मेरी हार्दिक शुभकामना। एक प्रतिमान महाविद्यालय संचालित कर वर्तमान उच्च शिक्षण-संस्थानों को आइना दिखाने का कार्य कर रहे महाविद्यालय परिवार को भी मेरी हार्दिक बधाई।

प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार

☎ : 0551-2201577 (O), Fax : 2330767 (O), 0551-2340458 (R), Fax : 2340459 (R), E-mail : mamsjpr@gmail.com

प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी
कुलपति
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतिवर्ष की भाँति इस सत्रान्त में भी 27 फरवरी को 'समावर्तन संस्कार समारोह' कर रहा है। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने का अवसर मिलना मेरा सौभाग्य है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन के अगले सोपान पर कदम रखने वाले छात्र-छात्राओं को भारतीय सस्कृति के प्रति सकल्पित करने एवं उन्हें भारतीय जीवन मल्य जीने की प्रेरणा दने के उद्देश्य से आयोजित होने वाला 'समावर्तन सस्कार समारोह' शिक्षा के मूल उद्देश्य की पूर्ति में एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा की सार्थकता इसी में है कि वह मनुष्य को संतुलित, संयमित और श्रेष्ठ जीवन प्रदान करने के साथ 'मुक्ति' का मार्ग प्रशस्त करे। मुझे विश्वास है कि महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा सम्पन्न होने वाले 'समावर्तन संस्कार समारोह' से छात्र-छात्राओं को यशस्वी जीवन जीने की दिशा मिलेगी। सभी विद्यार्थियों को अपने प्रज्ञामय जीवन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामना।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर को 'समावर्तन संस्कार समारोह' के आयोजन हेतु हार्दिक बधाई।

प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना

बाबा साहेब आपटे स्मृति भवन, 'केशव-कुञ्ज', झण्डेवाला, नयी दिल्ली-110 055

डा. बालमुकुन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना
नई दिल्ली

शुभकामना संदेश

शिक्षा का उद्देश्य चरित्र-निर्माण और राष्ट्र का गौरव या राष्ट्र-भक्ति होता है। शिक्षालय उक्त उद्देश्य की पूर्ति में सहायक हों इसके लिए परिसर की सुचिता तथा उच्च आदर्शों की स्थापना आवश्यक होती है। अपने इन उच्च आदर्शों को स्थापित करने तथा अन्य महाविद्यालय को सही दिशा दिखाने में महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर की महती भूमिका रही है। यह आनंद की बात है कि यह महाविद्यालय अपने समावर्तन संस्कार समारोह का आयोजन भारतीय संस्कृति के अनुरूप भारतीय चैतन्य के प्रकाश में आयोजित करता है। महाविद्यालय अपने उद्देश्यों की पूर्ति में सफल हो और इस सारस्वत यज्ञ में लगे सभी बन्धुओं तथा महाविद्यालय परिवार को हमारी शुभकामना है।

बालमुकुन्द

(डा. बालमुकुन्द पाण्डेय)

समावर्तन अतिथि

समावर्तन २००८	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी श्रीगोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **कर्नल बी.पी. शाही,** ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर
समावर्तन २००९	अध्यक्षता	: **प्रो. एन.एस. गजभिए,** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय,** उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन २०१०	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी श्रीगोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्री बसवराज पाटिल,** पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलवर्ग कर्नाटक
समावर्तन २०११	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी श्रीगोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **पद्मश्री प्रकाश सिंह,** पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश
समावर्तन २०१२	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी श्रीगोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्री आशीष जी,** अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार
समावर्तन २०१३	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी श्रीगोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **डॉ. कृष्ण गोपाल,** सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली
समावर्तन २०१४	अध्यक्षता	: **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** उत्तराधिकारी श्रीगोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति कलाधर शाही,** अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
समावर्तन २०१५	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. राम शंकर कठेरिया,** राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
	विशिष्ट अतिथि	: **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर,** पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
समावर्तन २०१६	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज,** सांसद, गोरखपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी,** कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.
	विशिष्ट अतिथि	: **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय,** राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना

दो शब्द...

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के ग्यारह वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का नौवाँ बैच स्नातक एवं पांचवाँ बैच परास्नातक शिक्षा पूर्ण कर इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग सवा अरब लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक-स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो से पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं समाज एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवास्वप्न में डूबा हुआ है। सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारतीय धर्म-संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया। परिणामत: सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई। परिवार संस्था भी कमजोर हो रही है। गाँव विरान होते जा रहे हैं। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने है। भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ तथा कुछ विश्वविद्यालय परिसरों में राष्ट्र विरोधी तत्त्वों का संरक्षण निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक हैं।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के लगभग सात दशक में भी हम मैकाले के भूत से शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। मैकाले द्वारा प्रतिष्ठित

शिक्षा नीति आज तक प्रभावी है और उसके उद्देश्य-'पाश्चात्य शिक्षा व विचारों के प्रभाव से ऐसे भारतीय पैदा करना जो बौद्धिक दृष्टि से गुलाम हों'-को पूरा करने में ही लगी हुई है। 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिष्ठापक रही है। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के सत्ताधीशों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर छाती पीटते रहने से क्या होने वाला है? हम अपने प्रयासों से, जितना सम्भव है उनके प्रयासों को, कुछ शिक्षण संस्थानों में ही सही निष्फल कर सकते हैं और भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति थोड़े ही समूह में सही, युवाओं में आत्म सम्मान जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (१९३२ ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन श्रीगोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

तिथि - फाल्गुन कृष्ण पंचमी, वि.सं. २०७२, युगाब्द ५११७
(२७ फरवरी, २०१६ ई., शनिवार)

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : २०१५-१६)

वार्षिक योजना बैठक

सत्र २०१५-१६ का शुभारम्भ ०२ से ०४ जुलाई को वार्षिक योजना बैठक के साथ हुआ। इस बैठक में प्राचार्य सहित समस्त शिक्षकों ने सहभाग किया। आगामी सत्र के शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर बिन्दुवार गहन चिन्तन के पश्चात सत्र २०१५-१६ की वार्षिक योजना तैयार की गयी। ४ जुलाई को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव के अध्यक्षीय उद्‌बोधन के साथ बैठक सम्पन्न हुयी।

वार्षिक योजना बैठक-प्राचार्य एवं शिक्षक

पौधरोपण कार्यक्रम

४ जुलाई २०१५ को स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा सागौन, आम, अमरूद, पीपल एवं जामुन के पौधों को लगाकर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों-कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया।

पौधरोपण करते विद्यार्थी

जंगल औराही में सभी बने साक्षर

गोरखपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आदर्श ग्राम जंगल औराही जो महाविद्यालय के बगल में स्थित है, को साक्षर बनाना एक चुनौती पूर्ण कार्य था, जिसे सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री भिखारी प्रसाद प्रजापति की देखरेख में महाविद्यालय के वर्तमान छात्र-छात्राओं, पुराने विद्यार्थियों एवं स्थानीय स्वयंसेवकों के बल पर पूरा किया गया। ५ जुलाई २०१५ को जंगल औराही पूर्ण साक्षर ग्राम बन गया। सांसद एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज तथा राज्य

सांसद आर्दश ग्राम में संपूर्ण साक्षरता

सरकार की प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित भव्य समारोह में पूर्ण साक्षर गाँव की घोषणा हुई।

कार्यशाला में मंचासीन अतिथि

एक दिवसीय कार्यशाला

१० जुलाई २०१५ को महाविद्यालय में यूसीजी एवं इन्फार्मेशन एण्ड लाइब्रेरी नेटवर्क केन्द्र, गांधी नगर गुजरात द्वारा अनुदानित 'एन-लीस्ट उपयोगकर्ता हेतु जागरुकता' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति एवं उच्चतर शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, उ.प्र. के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राम अचल सिंह तथा समापन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह रहे। कार्यशाला में इन्फार्मेशन एण्ड लाइब्रेरी नेटवर्क केन्द्र, गांधी नगर गुजरात के विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिक डा. अशोक कुमार राय गोरखपुर विश्वविद्यालय, वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता प्रो. अजेय कुमार गुप्ता तथा गन्ना शोध संस्थान, सेवरही कुशीनगर के श्री हिमांशु भूषण वर्मा ने विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कक्षाएँ प्रारम्भ

महाविद्यालय में शैक्षिक पंचांग के अनुसार १ जुलाई से बी.एड., १६ जुलाई से स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य भाग-२ एवं तीन तथा स्नातकोत्तर पर रसायनशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास, अंतिम वर्ष की कक्षाएँ प्रारम्भ की गयी। १ अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर भाग एक की कक्षाएं प्रारम्भ हुयी।

चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती के अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी

चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती समारोह

युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं अमर बलिदानी चन्द्रशेखर आजाद के जयन्ती के अवसर पर २३ जुलाई को आयोजित कार्यक्रम को डा. महेन्द्र प्रताप सिंह ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. अविनाश प्रताप सिंह एवं संचालन डॉ. कृष्ण कुमार ने किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित हुआ।

श्रद्धांजलि सभा

२८ जुलाई, २०१५ को महाविद्यालय में भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निधन पर अपराह्न २ बजे से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह सहित शिक्षकों, कर्मचारी व छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी भावाभिव्यक्ति के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए २ मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि

लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस एवं नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत समारोह

१ अगस्त को महाविद्यालय में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं नवागन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित हुआ। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित हुए।

कर्मचारी संघ का चुनाव

१ अगस्त २०१५ को कर्मचारी संघ का चुनाव, डा. विजय कुमार चौधरी के निर्देशन में संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर श्री सुभाष कुमार, उपाध्यक्ष पद पर संतोष कुमार एवं महामंत्री पर श्री झब्बर शर्मा विजयी घोषित हुए। कार्यकारिणी के दो सदस्यों के लिए श्री विश्वनाथ एवं श्री गौरव कुमार जायसवाल के नाम पर सभी कर्मचारियों ने मोहर लगाई।

एक दिवसीय ग्रामीण शिविर

२ अगस्त २०१५ को महाविद्यालय के संस्थागत सामाजिक दायित्व के अंतर्गत सभी विभागों द्वारा अपने-अपने अभिग्रहित गाँवों में (२ गाँव) शिक्षा, स्वास्थ्य, योग, स्वच्छता, श्रम की महत्ता एवं सामुदायिक विकास के जनजागरण हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कुछ गाँवों में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया तथा दवाएँ वितरित की गई।

गोद लिये गाँव में महाविद्यालय

श्रद्धांजलि सभा

४ अगस्त २०१५ भारतीय इतिहास संकलन समिति, गोरक्षप्रान्त के संगठन सचिव, प्रतिष्ठित इतिहासकार डा. कुँवर बहादुर कौशिक जी के परलोक गमन पर महाविद्यालय ने शोक सभा आयोजित कर उन्हें अपनी भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित की। डा. कौशिक अपनी सम्पूर्ण पुस्तकें (५४०) महाविद्यालय पुस्तकालय को स्वर्गवासी होने से पूर्व कर चुके थे। इस पर प्राचार्य डा. प्रदीप राव सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

व्याख्यान कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि

कार्यशाला को संबोधित करते डा. बलवान सिंह

व्याख्यान देते बी.एड. विभाग के श्री गोविन्द वर्मा

व्याख्यान कार्यक्रम

रक्षा एवं स्त्रातजिक अधययन एवं राजनीति शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ५ अगस्त २०१५ को हिरोशिमा दिवस की पूर्व संध्या पर "भारत की नाभिकीय नीति" विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में भटवली महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रवक्ता डा. बलवान सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि., गोरखपुर के एसोसिएट प्रो. डॉ. विनोद कुमार सिंह एवं दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के डा. भगवान सिंह का व्याख्यान हुआ।

विभागीय कार्यशाला

५ अगस्त २०१६ इसी दिन दूसरे सत्र में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें भाग एक दो एवं तीन के विद्यार्थियों को सेण्ड मॉडल का निर्माण की विधि सिखाई गई। इस कार्यशाला में भी डा. श्री भगवान सिंह, डॉ. बलवान सिंह तथा डा. विनोद कुमार सिंह ने मार्गदर्शन किया।

रविन्द्र नाथ टैगोर पुण्यतिथि

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत के महान कवि, देशभक्त व दार्शनिक रवीन्द्र नाथ टैगोर की पुण्य तिथि ७ अगस्त

२०१५ को मनाई गयी। कार्यक्रम को बी.एड. विभाग के प्रवक्ता श्री गोविन्द कुमार वर्मा ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. अविनाश प्रताप सिंह तथा संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. डी.के. सिंह

एक दिवसीय कार्यशाला

८ अगस्त को महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत विज्ञान संकाय में ''विज्ञान शिक्षण में सहायक सामग्रियाँ'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डा. डी.के. सिंह रहे। कार्यक्रम के संयोजक डा. अभय कुमार श्रीवास्तव ने आभार एवं संचालन श्री विनय कुमार सिंह रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा

८ अगस्त को ही प्राचीन इतिहास एवं इतिहास विभाग द्वारा ''ऐतिहासिक पुरावेषों की संरक्षण तकनीक'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा सम्मिलित हुए। कार्यशाला का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने तथा आभार ज्ञापन इतिहास विभाग के प्रभारी डा. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

शिक्षक संघ चुनाव

महाविद्यालय में शिक्षक संघ चुनाव १० अगस्त को चुनाव अधिकारी डा. आर.एन. सिंह के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ जिसमें श्रीमती कविता मध्यान अध्यक्ष, डा. शुभ्रांशु शेखर सिंह उपाध्यक्ष, प्रदीप वर्मा महामंत्री व डा. राम सहाय, कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीकांत मणि त्रिपाठी, डा. राजेश शुक्ला, डा. महेन्द्र प्रताप सिंह तथा श्री गोविन्द वर्मा निर्विरोध चुने गए।

व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित करते डा. आनन्द शंकर सिंह

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान

१३ अगस्त, देश विभाजन की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय में 'अखण्ड भारत वीर सावरकर एवं डा. राम मनोहर लोहिया की दृष्टि में'' विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित इतिहासकार व ईश्वरशरण पी.जी. कालेज इलाहाबाद के प्राचार्य डा. आनन्द शंकर सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के प्रभारी डा. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन डा. अविनाश प्रताप सिंह तथा आभार ज्ञापन छात्रसंघ अध्यक्ष किशनदेव निषाद ने किया।

एक दिवसीय कार्यशाला

१४ अगस्त २०१५ को वाणिज्य विभाग द्वारा ''विश्वविद्यालय परीक्षा में उत्तर कैसे लिखें? विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कुल १५० छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्राचार्य एवं छात्रसंघ पदाधिकारी

स्वतंत्रता दिवस समारोह

स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व, १५ अगस्त को महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत देश प्रेम से ओत-प्रोत प्रस्तुतियाँ एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान के प्रति जागरूकता से सम्बन्धित कार्यक्रमों के पश्चात् वन्देमातरम् के साथ समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन छात्रसंघ की उपाध्यक्ष सुश्री मनीषा सिंह ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते डा. नरसिंह राम

कन्या बचाओ-कन्या पढ़ाओ कार्यक्रम

१८ अगस्त को भारत सरकार के कन्या बचाओ-कन्या पढ़ाओ कार्यक्रम के अन्तर्गत 'कन्या भ्रूण हत्या सामाजिक एवं कानूनी अपराध' विषय पर आयोजित गोष्ठी में क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के सहायक निदेशक डा. नरसिंह राम बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए, मुख्य वक्ता के रूप में डा. प्रकाश प्रियदर्शी ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. शक्ति सिंह तथा संचालन प्राचीन

इतिहास के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र एवं आभार ज्ञापन छात्रसंघ महामंत्री श्री आशीष राय ने किया।

उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. शंकर शरण

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला का उद्घाटन

प्रत्येक वर्ष की भाँति २१ अगस्त से २७ अगस्त तक महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में साप्ताहिक व्याख्यान-माला का आयोजन किया गया। २१ अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान-माला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराज सायाजी राव विश्वविद्यालय, बड़ौदरा, गुजरात में राजनीति शास्त्र विषय के प्रोफेसर एवं प्रतिष्ठित स्तम्भकार प्रो. शंकर शरण थे। अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डा. शुभ्रांशु शेखर सिंह तथा आभार ज्ञापन डा. अभिलाषा कौशिक ने किया।

व्याख्यानमाला में व्याख्यान देते प्रो. शिव शंकर वर्मा

व्याख्यान-22 अगस्त

साप्ताहिक व्याख्यान माला के दूसरे दिन के विषय विशेषज्ञ भूगोल विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. शिवशंकर वर्मा ने ''पर्यावरणीय अवनयन मानवीय गलतियों का परिणाम'' विषय पर बोलते हुए कहा कि राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज सदैव पर्यावरण को लेकर चिन्तित रहे। उन्होंने मानव जीवन पर पर्यावरणीय संकट का समाधान भारतीय जीवन पद्धति में खोजते रहने का सदैव प्रयत्न किया। पृथ्वी पर जीवन की रक्षा हमारे व्यवहारों से ही होगी अन्यथा प्रकृति स्वयं प्राकृतिक प्रकोपों के द्वारा इसे नियंत्रित करेगी। व्याख्यान-माला का संचालन छात्रसंघ महामंत्री श्री आशीष राय तथा आभार भूगोल विभाग के डा. विजय कुमार चौधरी ने किया।

व्याख्यानमाला में व्याख्यान देते डा. विवेक निगम

व्याख्यान-२३ अगस्त

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के तीसरे दिन 'हिन्दुत्व ही राष्ट्रीयता है' विषय पर बोलते हुए मुख्य अतिथि एसोसिएट प्रो. यूइंग क्रिश्चियन

कालेज इलाहाबाद के डॉ. विवेक निगम ने कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ जी एवं महन्त अवेद्यनाथ महाराज की स्पष्ट अवधारणा थी कि हिन्दुत्व एक जीवन पद्धति है, एक संस्कृति है, एक परम्परा है और सब मिलाकर भारत की राष्ट्रीयता है। राष्ट्रीयता, संवेदना का विषय है, श्रद्धा का विषय है। व्याख्यान की अध्यक्षता महाराण प्रताप इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य श्री रामजन्म सिंह जी ने की।

राष्ट्रीय सेवा योजना-कार्यक्रम

२३ अगस्त को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना तत्वावधान में 'युवा शक्ति एवं राष्ट्र का भविष्य' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग के असिस्टेन्ट प्रो. डा. प्रवीन्द्र कुमार शाही, मुख्य अतिथि के रूप में मध्यकालीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता डा. एम.पी. सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी अविनाश प्रताप सिंह ने किया। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम वर्ष सदस्यता हेतु चयन एवं पंजीकरण किया गया।

व्याख्यान-२४ अगस्त

२४ अगस्त को व्याख्यान माला में चौथे दिन बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर, बिहार के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. एस.के. वर्मा ने "भारतीय जीवन दर्शन में पर्यावरण" विषय पर अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. के दर्शनशास्त्र विभाग के आचार्य डा. द्वारिकानाथ ने भी अपना मूल्यवान विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. भाग-दो के सतीश पाण्डेय एवं आभार प्राणि विज्ञान विभाग के प्राध्यापक श्री विनय कुमार सिंह ने किया।

व्याख्यानमाला में प्रो. एस.के. वर्मा एवं डा. द्वारिकानाथ

व्याख्यानमाला में प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

व्याख्यान-२५ अगस्त

सप्तदिवसीय व्यख्यान माला के पांचवे दिन दीनदयाल उपाध्याय गो.वि.वि. के हिन्दी विभाग के प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने बतौर मुख्य अतिथि श्री गांधी पी.जी. कालेज मालताड़ी में शारीरिक एवं स्वास्थ्य

शिक्षा के प्रवक्ता डा. प्रशान्त कुमार राय ने 'स्वस्थ जीवन के घटक एवं उसे विकसित करने की विधियाँ' विषय पर शोध पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संचालन बी.काम. भाग तीन के छात्र श्री अनुपम त्रिपाठी तथा आभार अर्थशास्त्र के प्रवक्ता श्री मंजेश्वर ने किया।

व्याख्यान-२६ अगस्त

सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के छठें दिन किसान पी.जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डा. वेद प्रकाश पाण्डेय ने 'अंधेरे से उजाले की ओर ग्राम्य जीवन के संदर्भ में' विषय व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में वर्तमान में गाँवों में बढ़ रही संवेदनहीनता और सहयोग की भावना में कमी की ओर विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने ग्राम जीवन की गौरवशाली परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती रही है। व्याख्यान का संचालन बी.एड. प्रवक्ता श्री गोविन्द कुमार वर्मा तथा आभार वाणिज्य विभाग प्रवक्ता श्री बागीश राज पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान माला में डा. वेद प्रकाश पाण्डेय

व्याख्यानमाला : समापन समारोह 27 अगस्त

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा. बालमुकुन्द पाण्डेय ने कहा सनातन हिन्दु धर्म, संस्कृति के पथ प्रदर्शक राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ महाराज सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता के अग्रदूत थे। वे हिन्दुत्वनिष्ठ राजनीति के ध्वजवाहक थे।

व्याख्यानमाला समापन अवसर पर अतिथि

मुख्य वक्ता उच्चतर शिक्षा चयन बोर्ड उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. राम अचल सिंह ने कहा कि हिन्दू समाज में छुआछूत, ऊँच-नीच के विरुद्ध महन्त जी महाराज ने जनाभियान चलाया।

समापन समारोह की अध्यक्षता कर रहे गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने कहा कि श्रीगोरक्षपीठ का राष्ट्रीय सामाजिक आन्दोलन का प्रतीक बनाने में महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज का योगदान अविस्मरणीय है। समापन समारोह में अतिथियों का

स्वागत एवं आभार प्राचार्य डा. प्रदीप राव एवं संचालन समाजशास्त्र के प्रभारी डा. प्रकाश प्रियदर्शी ने किया।

व्याख्यानमाला के समापन अवसर पर पूज्य महाराज जी

छात्रसंघ चुनाव : योग्यता भाषण

१ सितम्बर २०१५ को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद हेतु शुभम पाण्डेय, सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी, सूरज खेतान, उपाध्यक्ष पद के लिए तनु कुमारी, महेश कुमार, शुभम सिंह, चन्द्रेश कुमार, निशा ज्योति, कालीशंकर पाण्डेय तथा महामंत्री पद हेतु मुकेश कश्यप, सन्नी कुमार साहनी, सतीश कुमार पाण्डेय, निशा वर्मा, अवधेश कुमार एवं अनुराग त्रिपाठी ने अपना विचार प्रस्तुत कर मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

छात्रसंघ चुनाव

महाविद्यालय में २ सितम्बर को प्रात: ८ बजे से मतदान तीन मतदान स्थलों (कला संकाय, विज्ञान संकाय एवं वाणिज्य संकाय) प्रारम्भ हुआ। छात्र-छात्राओं ने कतार में लगकर उत्साह पूर्वक मतदान किया। मतदान के उपरान्त मतगणना का कार्य सकुशल सम्पन्न हुआ। छात्रसंघ चुनाव, छात्रसंघ चुनाव अधिकारी डा. शुभ्रांशु शेखर सिंह के कुशल निर्देशन में परिणाम घोषित हुआ। अध्यक्ष पद पर श्री सिद्धार्थ द्विवेदी, उपाध्यक्ष पद पर श्री महेश कुमार एवं महामंत्री पद पर श्री सतीश पाण्डेय का निर्वाचन हुआ।

योग्यता भाषण में छात्रसंघ प्रत्याशी

विशेष व्याख्यान

४ सितम्बर को शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित व्याख्यान ''भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत'' विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता श्री अरविंदो आश्रम, पांडीचेरी के श्री देवदत्त ने कहा कि संस्कृत भाषा जीवित होगी तभी भारतीय संस्कृति अक्षुण्ण होगी। संस्कृत देववाणी है, भारत की वाणी है, मानवता की वाणी है, करुणा की वाणी है, अहिंसा की वाणी है। संस्कृत भारतीय भाषा की जननी

प्रमाण पत्र के साथ विजयी प्रत्याशी

है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. प्रदीप कुमार राव एवं संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

शिक्षक दिवस पर व्याख्यान

व्याख्यान देते श्री देवदत्त जी

शिक्षक दिवस के अवसर पर गणित एवं सॉंख्यिकी विभाग में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटपाररानी, देवरिया के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के.डी. दुबे जी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में उन्होंने ''अरण्य भारत में वैदिक गणित'' विषय पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने किया तथा आभार सॉंख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. अरूण राव ने ज्ञापित किया।

छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह

शपथ ग्रहण समारोह में मंचासीन अतिथि

१० सितम्बर २०१५ को महाविद्यालय में छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की राजनीति की पाठशाला के रुप में शिक्षण संस्थाओं को आगे बढ़कर छात्रों का व्यक्तित्व निर्माण करने में विशेष भूमिका होनी चाहिए। इस समारोह में महाविद्यालय के प्रबंधक एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महामंत्री सहित सभी छात्रसंघ प्रतिनिधियों को शपथ ग्रहण करवाया। समारोह को बीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह ने भी संबोधित किया। शपथ ग्रहण समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष श्री शीतल पाण्डेय ने अपने विचार रखे। संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा आभार छात्रसंघ प्रभारी डा. सुभ्रांशु शेखर सिंह ने किया।

शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते पूज्य महाराज जी

सरकार की प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित भव्य समारोह में पूर्ण साक्षर गाँव की घोषणा हुई।

कार्यशाला में मंचासीन अतिथि

एक दिवसीय कार्यशाला

१० जुलाई २०१५ को महाविद्यालय में यूसीजी एवं इन्फार्मेशन एण्ड लाइब्रेरी नेटवर्क केन्द्र, गांधी नगर गुजरात द्वारा अनुदानित 'एन-लीस्ट उपयोगकर्ता हेतु जागरुकता' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति एवं उच्चतर शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, उ.प्र. के पूर्व अध्यक्ष प्रो. राम अचल सिंह तथा समापन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह रहे। कार्यशाला में इन्फार्मेशन एण्ड लाइब्रेरी नेटवर्क केन्द्र, गांधी नगर गुजरात के विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिक डा. अशोक कुमार राय गोरखपुर विश्वविद्यालय, वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता प्रो. अजेय कुमार गुप्ता तथा गन्ना शोध संस्थान, सेवरही कुशीनगर के श्री हिमांशु भूषण वर्मा ने विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कक्षाएँ प्रारम्भ

महाविद्यालय में शैक्षिक पंचांग के अनुसार १ जुलाई से बी.एड., १६ जुलाई से स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य भाग-२ एवं तीन तथा स्नातकोत्तर पर रसायनशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास, अंतिम वर्ष की कक्षाएँ प्रारम्भ की गयी। १ अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर भाग एक की कक्षाएं प्रारम्भ हुयी।

चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती के अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी

चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती समारोह

युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं अमर बलिदानी चन्द्रशेखर आजाद के जयन्ती के अवसर पर २३ जुलाई को आयोजित कार्यक्रम को डा. महेन्द्र प्रताप सिंह ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. अविनाश प्रताप सिंह एवं संचालन डॉ. कृष्ण कुमार ने किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित हुआ।

योजना के तत्वावधान में व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने रखी जबकि आभार ज्ञापन डा. यशवन्त राव तथा संचालन श्री सुबोध मिश्र ने किया। कार्यक्रम के पश्चात पर्यावरण संकट एवं संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें ५० विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें श्री सिद्धार्थ कुमार, बी.ए. भाग-एक एवं सुश्री गरिमा जायसवाल, बी.ए. भाग-एक प्रथम, सुश्री अनुराधा गुप्ता, बी.एड. भाग-एक द्वितीय तथा श्री रामू प्रसाद, बी.एस-सी. भाग-एक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

रा.से.यो. स्थापना दिवस के अवसर पर डा. अजय शुक्ला

२४ सितम्बर, राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा. अजय कुमार शुक्ला ने बोलते हुए कहा कि मनुष्य के नैसर्गिक स्वभाव में सेवा है। सृष्टि की समृद्धि एवं उसके विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी रहा है। श्रम सेवा और साधना मनुष्य की विशेष पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. शिव कुमार बर्नवाल ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा आशीष राय को गुरू श्री गोरक्षनाथ सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक तथा पर्यावरण संकट और संरक्षण विषय पर आयोजित विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता के श्री सिद्धार्थ कुमार, बी.ए. भाग-एक एवं सुश्री गरिमा जायसवाल, प्रथम बी.ए. भाग-एक, सुश्री अनुराधा गुप्ता, बी.एड. भाग-एक द्वितीय तथा श्री रामू प्रसाद, बी.एस-सी. भाग-एक ने तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को मोमेन्टो सहित सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। आभार ज्ञापन डा. यशवंत कुमार राव तथा संचालन इतिहास विभाग के श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

दीनदयाल उपाध्याय सम्मान प्रदान करते कुलपति जी

दीनदयाल उपाध्याय सम्मान

रासेयो स्थापना दिवस के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के परिसर में हुए आयोजन में महाविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ कालेज के रूप में माननीय कुलपति प्रो. अशोक कुमार द्वारा दीनदयाल उपाध्याय सम्मान से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना : प्रथम एक दिवसीय शिविर

१ अक्टूबर २०१५ को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का संयुक्त एक दिवसीय शिविर अभिगृहित गाँव तथा गोरखनाथ मंदिर में आयोजित हुआ। शिविर में स्वच्छता एवं जनजागरण तथा व्याख्यान का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

गाँधी जयन्ती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती

२ अक्टूबर २०१५ को महाविद्यालय में ध्वजारोहण के साथ गाँधी जयंती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात महाविद्यालय परिवार द्वारा दोनों महापुरूषों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

गाँधी जयन्ती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

पुरातन छात्र परिषद का वार्षिक सम्मेलन

२ अक्टूबर को महाविद्यालय में पुरातन छात्र परिषद के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रतिवर्ष की भाँति पुरातन छात्र परिषद का चुनाव हुआ। श्री मनीष कुमार दुबे अध्यक्ष, श्री कृष्णानन्द तिवारी एवं श्री दीपचंद उपाध्यक्ष और गौरव कुमार सिंह महामंत्री, सहमंत्री-श्री विशाल कुमार, श्री चन्द्रभान गुप्त, सदस्य-श्री सुजीत कुमार सिंह, श्री दीपक कुमार, श्री जयहिन्द यादव, श्री सचिन कुमार, श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय, सुश्री सृष्टि सिंह, श्री त्रिपुरेश कुमार, श्री सुजीत कुमार सिंह, श्री अनिल कुमार गुप्त, श्री हरिद्वार प्रजापति, श्री अमित कुमार गुप्ता श्री विशाल गुप्ता, श्री सुरेश कुमार चुने गये।

पुरातन छात्र परिषद में प्राचार्य एवं परिषद के सदस्य

निवर्तमान शिक्षक-अभिभावक संघ के अध्यक्ष डा. टी.एन. मिश्र

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन

२ अक्टूबर को महाविद्यालय में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन में अभिभावक संघ के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। वहाँ उपस्थित अभिभावकों ने अपने बच्चों के सन्दर्भ में शिक्षकों के साथ चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष श्री ए.के. सिंह, उपाध्यक्ष

श्री दीपचंद चौरसिया महामंत्री श्री महेश सैनी तथा कार्यकारिणी सदस्य डा. टी.एन. मिश्र, श्री इन्द्रजीत दुबे, श्री राजेश भारती, श्री संजय जायसवाल, श्री दिलीप कुमार चौहान, श्रीमती आशा जायसवाल एवं हरेन्द्र कुमार मिश्र चुने गए।

वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान-प्रदर्शनी

५ अक्टूबर को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्राचार्य डा. प्रदीप राव ने किया। इसमें कुल ३५ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें - बी.एस-सी. भाग-एक के सुश्री अनुप्रिया सिंह, सुश्री सुष्मिता पाण्डेय एवं सुश्री अमृता चौरसिया को प्रथम स्थान तथा बी. एस-सी. भाग-एक की सुश्री नेहा मरजीना खातून, सुश्री राजनन्दिनी, सुश्री शालिनी दूबे को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. भाग-दो के श्री सिद्धार्थ पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

भौतिकी विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

६ अक्टूबर को महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में 26 ग्रुप के १६६ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.एस-सी. भाग-तीन के श्री विवेक कुमार भारती, श्री गौरव कुशवाहा एवं श्री प्रदीप चौहान को प्रथम स्थान तथा श्री रीतेश राव, श्री शुभम सिंह, मो. वामिक, श्री सचिन शर्मा, श्री अवधेश कुमार, श्री आनन्द गुप्ता, श्री नीरज त्रिपाठी, अहमद हुसेन, श्री राजन प्रताप सिंह, सुश्री रजनी निषाद को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी भाग-एक के सुश्री सुलेखा विश्वकर्मा, सुश्री नीतू सिंह, सुश्री विनीता विश्वकर्मा, सुश्री सीमा गौतम, सुश्री प्रिया सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भौतिक विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

वायु सेना स्थापना दिवस

७ अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना दिवस के अवसर पर 'भारतीय वायुसेना का देश की सुरक्षा और आपदा में योगदान विषय' पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने भारतीय वायु सेना को भारत की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़

बताया। व्याख्यान की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने की तथा संचालन छात्रसंघ के पूर्व महामंत्री श्री आशीष राय ने की।

योगीराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान

व्याख्यान में मंचासीन अतिथि

१० अक्टूबर को योगीराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम एवं निःशुल्क सिलाई कढ़ाई केन्द्र के तत्वावधान में आयोजित योगीराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि काशी विद्यापीठ, वाराणसी में संस्कृत विषय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभुनाथ द्विवेदी ने कहा कि योगीराज बाबा गम्भीरनाथ सिद्ध पुरूष थे। उन्होंने हठ योग, राजयोग और लय योग के क्षेत्र में सिद्धि प्राप्त की। उनकी स्मृति में व्याख्यान का आयोजन भारतीय युवाओं को विषय के साथ-साथ योग, अध्यात्म की भी प्रेरणा देगा। व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने कहा कि हिमालय से कन्याकुमारी तक के भूमि भाग में बीसवीं शताब्दी में इतने बड़े योगी का दर्शन अत्यन्त दुर्लभ है। उन्होंने मानवता को योगशक्ति से सम्पन्न किया। मुख्य वक्ता पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह ने कहा कि योगीराज बाबा गम्भीरनाथ योग, ज्ञान, तपस्या और भक्ति के चिन्मय मूर्तिमान प्रतीक स्वरूप थे। व्याख्यान का संचालन डा. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। सरस्वती वंदना, स्वागत एवं वन्देमातरम् आराधना वर्मा, शशि गुप्ता एवं वर्षा जायसवाल ने किया।

व्याख्यान को संबोधित करते पूज्य महाराज जी

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. रामप्रकाश

एक दिवसीय कार्यशाला

महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग द्वारा १० अक्टूबर को "जनगणना-२०११, एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण" विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ दीनदयाल

उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. राम प्रकाश ने अपने शोधपूर्ण उद्‌बोधन में कहा कि जिन देशों में महिलाओं की स्थिति अच्छी है वो आज विकसित देशों की पंक्ति में खड़े हैं। भारत में चूँकि लैंगिक असंतुलन है, इसलिए हम आज भी विकासशील देशों की पंक्ति में खड़े हैं। कार्यशाला में कुल १३० प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया तथा २५ छात्रों ने अपना विषय प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन समाजशास्त्र के प्रभारी डा. प्रकाश प्रियदर्शी ने किया।

चार दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला में ले. कर्नल माधवी सिंह एवं डा. सुधाकर लाल श्रीवास्तव

१५ अक्टूबर को गृहविज्ञान विभाग में ''महिला उद्यमिता विकास'' पर चार दिवसीय कार्यशाला का उद्‌घाटन सहायक आयुक्त, जिला उद्योग गोरखपुर के श्री रामरूप राम ने किया। कार्यशाला की संयोजक गृह विज्ञान की प्रभारी डा. शक्ति सिंह ने मुख्य अतिथि के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यशाला का संचालन समाजशास्त्र के प्रभारी श्री प्रकाश प्रियदर्शी ने किया। कार्यशाला का समापन १८ अक्टूबर को हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय थल सेना की लेफ्टिनेंट कर्नल माधवी सिंह थी। अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. सुधाकर लाल श्रीवास्तव ने किया। संचालन श्री गोविन्द वर्मा ने किया। कार्यशाला में कुल ८५ छात्राओं ने भाग लिया। प्रथम १० छात्राओं को पेडेलाइट कंपनी द्वारा तथा शेष सभी छात्राओं को महाविद्यालय द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती

कैरम प्रतियोगिता में विद्यार्थी

१५ अक्टूबर २०१५ को डा. अब्दुल कलाम के जन्म दिवस के अवसर पर कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालक वर्ग में ७ और बालिका वर्ग में ६ टीमों ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग में श्री विशाल सिंह-बी.एस-सी. भाग-एक, श्री अजीत कुमार-बी.एस.-सी. भाग-एक को विजेता तथा श्री आशीष राय-एम.ए. भाग-एक, श्री दीपक सिंह-बी.एस.-सी. भाग-तीन को उप विजेता घोषित किया गया।

प्राणि विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

प्राणि विज्ञान विभाग प्रदर्शनी में हिमोग्लोबीन की जाँच करता विद्यार्थी

१६ अक्टूबर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें डी.एन.ए. की त्रिविम संरचना, श्वसन प्रक्रिया, यूग्लीना तथा पैरामिशियम की त्रिविम संरचना, सेरीकल्चर, हृदय की कार्य पद्धति मोनोसिस्टिक जीवन चक्र मॉडल, एसिड रेन के प्रभाव को वर्णित करता हुआ पूरे शहर का मॉडल, N२ चक्र एवं ब्लड एनलिसिस जैसे विषयों पर रोचक मॉडल प्रस्तुत किये गये। सेरीकल्चर का सचीव मॉडल एवं अनेक रोचक मॉडल प्रस्तुत किया गया। जिसमें बी.एस-सी. भाग-एक के शुभम कुमार को प्रथम, बी.एस-सी. भाग-तीन की सुश्री रितू गुप्ता को द्वितीय तथा बी.एस-सी. भाग-एक सुश्री अंजली जायसवाल, बी.एस-सी. भाग-तीन के श्री कौशल कुमार यादव को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन, महाविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार चौधरी जी ने किया। प्रदर्शनी में कुल ६० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

रसायन विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

१७ अक्टूबर को महाविद्यालय में रसायन विज्ञान द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में कुल ६५ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें परास्नातक विभाग में एम.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री प्रतिभा पाण्डेय के मॉडल पेट्रोलियम ऑयल रिफाइनरी को प्रथम सुश्री निशा सिंह, एम.एस-सी. अंतिम वर्ष के मॉडल क्लेम फोटोमेट्री को द्वितीय स्थान तथा सुश्री नेहा सिंह एम.एस-सी. प्रथम वर्ष, श्री विशाल कुमार शाही-एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष को संयुक्त रुप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण करती ले. कर्नल माधवी सिंह

इसी प्रकार स्नातक वर्ग में सुश्री गीता सिंह के डी.एन.ए. के डबल हैलिकल मॉडल को प्रथम स्थान, श्री सत्येन्द्र शर्मा के केमेस्ट्री सामान्य जीवन में एवं सुश्री निधि श्रीवास्तव के मॉडल वॉल्टिक सेल को द्वितीय तथा सुश्री नेहा के मॉडल प्रिंसिपल ऑफ प्राड्यूसिंग इलेट्रियूसिंग इलेक्ट्रिसिटी ऑफ पोटैटो को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रर्दशनी का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप राव तथा उ.प्र. १५वीं गर्ल्स बटालियन, एन.सी.सी. की लेफ्टिनेंट कर्नल माधवी सिंह ने किया।

विभागीय कार्यशाला

भारत पर चीनी आक्रमण (२० अक्टूबर १९६२) की पूर्व संध्या पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा १९ अक्टूबर को 'भारत-चीन सम्बन्ध : अतीत से वर्तमान तक' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के पूर्व छात्र सुश्री सृष्टि सिंह, एम.ए. द्वितीय वर्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व छात्र श्री अमित कुमार गुप्ता, एम.ए. प्रथम वर्ष, रक्षा व स्त्रातजिक अधयन विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर को आमंत्रित किया गया।

गाँवों में जन जागरण अभियान

२७ अक्टूबर को महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने वाल्मिकी जयन्ती के अवसर पर सामाजिक संस्थागत दायित्व के अन्तर्गत अभिग्रहित १९ गाँवों में स्वच्छता व साक्षरता अभियान चलाया। कुछ गाँवों में गोरखनाथ चिकित्सालय के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। अभियान में करीब 300 छात्र-छात्राओं तथा सभी शिक्षकों ने भाग लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मँझरिया गाँव में श्रमदान तथा जनजागरण किया गया।

गोद लिये गाँव में स्वास्थ्य शिविर

एक दिवसीय कार्यशाला

२९ अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग द्वारा "स्पोकेन इँग्लिश" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में राजकीय कालेज, ढाढा, कुशीनगर के अंग्रेजी विभाग के प्रवक्ता डा. राजेश श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को अंग्रेजी से ना डरने तथा छोटे-छोटे वाक्य बनाकर प्रयोग करने की सलाह देते हुए कहा कि ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप निडर होकर बड़े वाक्य भी बनाने लगेंगे। उन्होंने अंग्रेजी व्याख्यान के कई कठिन नियमों को आसान तरीके से प्रयोग करने के लिए साधारण नियम बताये। कार्यशाला में कुल ६२ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का संचालन छात्र सतीश पाण्डेय, उद्घाटन प्राचार्य डा. प्रदीप राव तथा

कार्यशाला में डा. राजेश श्रीवास्तव

आभार अंग्रेजी विभाग प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 31 अक्टूबर को सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता, महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने सरदार पटेल को समर्थ भारत के सपनों को साकार करने में अग्रणी बताते हुए, युवाओं को उनके जीवन से प्रेरित हो राष्ट्र के प्रति समर्पित होने की अपील की। कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने सभी स्वयंसेवक/ सेविकाओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती पर शपथ लेते विद्यार्थी

विशिष्ट व्याख्यान

प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा ०३ नवम्बर २०१५ को एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। ''इतिहास की भारतीय अवधारणा'' विषय पर मगध विश्वविद्यालय बोध गया, बिहार के प्राचीन इतिहास विभाग के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष डॉ. महेश कुमार शरण का बोधगम्य उद्‌बोधन हुआ। इस विशिष्ट व्याख्यान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के इतिहास एवं प्राचीन इतिहास विषय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नैक द्वारा मूल्यांकन

५ से ७ नवम्बर राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिसर (NAAC) की पीयर टीम ने ५ नवम्बर को महाविद्यालय का मूल्यांकन आरंभ किया। टीम में ए.पी.एस. विश्वविद्यालय रीवा के पूर्व कुलपति प्रो. एस.एन. यादव बतौर चेयर परसन, राजकीय महाविद्यालय, आसनसोल के पूर्व प्राचार्य डा. उपेन्द्र चन्द्र सरकार समन्वयक और गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के प्रो. एस.बी.एस. चौहान शामिल रहे। प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव, नैक समन्वय डा. अविनाश प्रताप सिंह एवं एनएस. छात्रों ने उनका स्वागत किया। प्राचार्य के साथ बैठक के बाद टीम ने कालेज के विभागों का निरीक्षण प्रारंभ किया जो दो दिन चला।

७ नवम्बर को नैक पीअर टीम ने मूल्यांकन पूरा कर प्राचार्य को अपनी रिपोर्ट का सीलबंद लिफाफा सौंप दिया।

नैक पीयर टीम रिपोर्ट प्रदान करती हुई

१६ नवम्बर को नैक टीम द्वारा B ग्रेड मिलने की जानकारी महाविद्यालय को दी गयी। नैक मूल्यांकन का परिणााम मिलने पर महाविद्यालयों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की एक बैठक हुयी जिसमें प्राचार्य ने मूल्यांकन को प्रेरणास्पद एवं मार्गदर्शक बताया।

महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती

१९ नवम्बर २०१५ को महाविद्यालय में महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती मनाई गयी। जिसमें प्राचार्य ने लक्ष्मीबाई की त्याग और बलिदान की यशस्वी गौरव गाथा से विद्यार्थियों को प्रेरणा लेने की बात कही।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह

महाराणा प्रताप महाविद्यालय संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ २१ से २७ नवम्बर २०१५ तक सम्पन्न हुई।

काव्य पाठ प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २१ नवम्बर को काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें १५ प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर कविता प्रस्तुत किया। यह प्रतियोगिता श्रीमती कविता मन्ध्यान के नेतृत्व में आयोजित हुयी। इस प्रतियोगिता में श्री सतीश पाण्डेय (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को प्रथम, श्री धनंजय विश्वकर्मा (एम.ए. प्रथम वर्ष) को द्वितीय तथा सुश्री रिंकी रानी (बी.एड. प्रथम वर्ष) को तृतीय प्राप्त हुआ।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता

२३ नवम्बर को हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें ३५ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसका विषय ''वैश्विक आतंकवाद : एक चुनौती'' था। बी.काम. भाग दो के श्री ऋषभ कुमार वर्मा प्रथम, बी.ए. भाग तीन के श्री शैलेश कुमार द्वितीय तथा बी.एस-सी. भाग एक के श्री चन्द्रमोहन पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबन्ध प्रतियोगिता के संयोजक डा. अविनाश प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों को शुभकामनायें प्रदान की।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभागी

जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि

महाविद्यालय में २३ नवम्बर को जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में उन्हें भावभिनी

श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। डा. जगदीश चन्द्र बोस के योगदान को स्मरण करते हुए, राजनीति शास्त्र विभाग के प्रभारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन २४ नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत हुआ। इस प्रतियोगिता में एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष, रसायन शास्त्र के विद्यार्थी श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह को तथा बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के श्री अमन सिन्हा को प्रथम, बी.ए. भाग तीन के श्री सुनील यादव तथा बी.काम. प्रथम की सुश्री दृष्टि सिंह को द्वितीय तथा बी. एस-सी. तृतीय वर्ष के श्री संदीप यादव को तृतीय स्थान पर सफलता अर्जित हुई।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं

प्रश्नमंच प्रतियोगिता

महाविद्यालय संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २४ नवम्बर को प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया। कुल ३८ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। ग्रुप सी के श्री अमन सिन्हा एवं श्री संदीप कुमार चौहान को प्रथम तथा ग्रुप एफ के श्री राघवेन्द्र सिंह, सुश्री काजल चौरसिया, श्री अभिषेक श्रीवास्तव तथा श्री विकास जायसवाल को द्वितीय, ग्रुप 'जे' के श्री सुनील यादव, श्री किशन देव, श्री ऋषभ शर्मा तथा श्री संतोष निषाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रा

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २६ नवम्बर को 'डेमोग्राफिकल पॉलिटिक्स एण्ड इण्डियाज नेशनल सिक्योरिटी' विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल १८ प्रतिभागी सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री दृष्टि जायसवाल, द्वितीय स्थान पर बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री अनामिका सिंह तथा तृतीय स्थान पर बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के श्री हेमन्त कुमार मिश्रा रहे।

आशुभाषण प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २६ नवम्बर को आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल

११ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। आशु भाषण संयोजक डा. अपर्णा मिश्रा ने, सुश्री प्रियंका दुबे (बी.काम. द्वितीय वर्ष), श्री विवेक कुमार भारती (बी.एस-सी. तृतीय वर्ष) तथा श्री अतुल दुबे (एम.काम. प्रथम वर्ष) को क्रमशः प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

बालिका वर्ग वालीबॉल प्रतियोगिता

वालीबॉल प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २६ नवम्बर को बालक-बालिका वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालक वर्ग की ६ टीमों तथा बालिका वर्ग की ४ टीमों ने प्रतिभाग किया। बालक वर्ग ने विजेता योगीराज बाबा गंभीरनाथ टीम तथा उपविजेता गुरु श्री गोरक्षनाथ टीम रही। बालिका वर्ग में विजेता रानी लक्ष्मीबाई टीम तथा उपविजेता मीराबाई टीम थी।

बालक वर्ग वालीबॉल प्रतियोगिता

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २७ नवम्बर को हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल २३ प्रतिभागियों ने हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। बी.एड. की सुश्री वर्षा सिन्हा को प्रथम बी.एस-सी. भाग एक की छात्रा सुश्री अंजली शर्मा को द्वितीय तथा बी.काम. भाग एक के छात्र श्री आशीष उपाध्याय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

कबड्डी प्रतियोगिता

संस्थापक समारोह के अन्तर्गत २७ नवम्बर को कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ के मध्य फाइनल मैच खेला गया। जिसमें युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ टीम को विजेता बनी।

विश्व एड्स दिवस

महाविद्यालय में १ दिसबम्र को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा एक जन जागरुकता रैली का आयोजन किया गया।

जन जागरण रैली

संस्थापक समारोह शोभा यात्रा

१९८१ से प्रतिवर्ष ४ से १० दिसम्बर तक महाराणा प्रसाद शिक्षा परिषद का संस्थापक समारोह मनाया जाता है। ४ दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में निकलने वाली शोभायात्रा में महाविद्यालय अपनी पूरी तैयारी से सम्मिलित हुआ और अनुशासन एवं श्रेष्ठ पथसंचलन में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर सर्वोत्तम रहा।

शोभायात्रा में महाविद्यालय

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

७ दिसंबर को महाविद्यालय में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को भूगोल विभाग प्रभारी डा. विजय कुमार चौधरी तथा मुख्य नियंता डा. आर.एन. सिंह ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

संस्थापक समारोह मुख्य महोत्सव

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह मुख्य महोत्सव (१० दिसम्बर) में महाविद्यालय ने सक्रिय भूमिका निभायी जिसमें महाविद्यालय के एम.एस-सी. अंतिम वर्ष की छात्रा सुश्री दीपशिखा मणि त्रिपाठी को दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक, बी.एस-सी. भाग तीन की सुश्री गीता सिंह को चौधरी रामलखन स्मृति पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी प्रकार अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री अनामिका सिंह को द्वितीय स्थान एवं सुश्री दृष्टि जायसवाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता में सुश्री दृष्टि जायसवाल बी.एस-सी. प्रथम वर्ष, श्री सुगन्धजी श्रीवास्तव बी.एस-सी. तृतीय वर्ष, सुश्री रेशमा हसदा बी.एस-सी. तृतीय वर्ष एवं श्री शहरयार खान की टीम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में श्री अमन चौहान बी.ए. तृतीय वर्ष, श्री राघवेन्द्र सिंह-एम.एस-सी. अंतिम वर्ष, सुश्री वर्षा सिन्हा-बी.एड. प्रथम वर्ष एवं सुश्री काजल-बी.एड. प्रथम वर्ष की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

स्वर्णपदक प्राप्त करती छात्रा

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता पुरस्कार प्राप्त करती छात्राएं

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की तरफ से विशेष छात्रवृत्ति में बी.एस-सी. भाग एक के श्री अभय सिंह एवं सुश्री प्रियंका सिंह, बी.एस-सी. भाग दो की ऋचा श्रीवास्तव एवं सुश्री आंचल कर्ण-बी.एस-सी. भाग तीन की सुश्री गीता सिंह एवं सुश्री प्रियंका चौहान, बी.ए. भाग एक की सुश्री श्वेता सिंह, श्री धनंजय यादव एवं सुश्री कल्याणी सिंह, बी.ए. भाग दो की सुश्री नन्दिनी गुप्ता एवं सुश्री सुनन्दा साहनी, बी.ए. भाग तीन की शबनम बानो एवं ऋषभ मिश्र, बी.काम. भाग एक के श्री नीतिन तिवारी एवं सुश्री खुशमंजला, एम.एस-सी. अंतिम वर्ष के सुश्री दीपशिखा त्रिपाठी, रूकसार परवीन एवं श्री आदित्य सिंह, एम.काम. प्रथम वर्ष के श्री सतेन्द्र यादव एवं श्री आकाश चन्द्र, बी. एड. प्रथम वर्ष की सुश्री वर्षा सिन्हा एवं दीक्षा श्रीवास्वत को प्राप्त हुआ। को प्रथम एवं विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति तथा कम्प्यूटर प्रश्नमंच एवं अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता की विजयी टीम को शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

विजय दिवस समारोह

बांग्लादेश युद्ध में भारतीय सेना की उल्लेखनीय सफलता के उपलक्ष्य में १६ दिसम्बर को विजय दिवस की पूर्व संध्या पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र थे तथा अध्यक्षता डा. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी श्रीमती पूजा पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन श्री सुभाष गुप्ता ने किया।

राम प्रसाद बिस्मिल एवं अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस

१९ दिसम्बर को देश की आजादी के नायक पं. राम प्रसाद बिस्मिल व अशफाक उल्ला खान ने अपने बलिदान से इस देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने में सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनके इस त्याग, समर्पण व बलिदान को याद करते हुए महाविद्यालय परिवार ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये तथा उनके जीवन पर विद्यार्थियों के बीच एक परिचर्चा आयोजित की गई

बिस्मिल स्मृति अन्तर-संकाय कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता

१९ दिसम्बर को महाविद्यालय में बिस्मिल स्मृति अन्तर-संकाय कैनवस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच, छात्रसंघ एवं कला संकाय के मध्य क्रीड़ा प्रभारी डा. मृत्युंजय सिंह के कुशल संयोजन में खेला गया। छात्रसंघ टीम विजयी हुई।

कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना : द्वितीय एक दिवसीय शिविर

२० दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रथम एक दिवसीय शिविर, हसनगंज एवं बड़ी जमुनहिया गाँव में सफाई अभियान चलाकर तथा रैली द्वारा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर के सम्पन्न किया गया।

रा.से.यो. द्वारा जन जानगरण अभियान

गणित महोत्सव

श्रीनिवासरामानुजम के वर्षगांठ के अवसर पर गणित एवं सांख्यिकी विभाग में गणित महोत्सव का आयोजन २० से २२ दिसम्बर तक हुआ। २० दिसम्बर को विशेष व्याख्यान के साथ इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई, विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में के.आई.पी.एम. कालेज गीडा के एसोसिएट प्रो. डॉ. सत्यप्रकाश सिंह जी उपस्थित थे इस कार्यक्रम में उन्होंने Probability Theory पर अपना व्याख्यान दिया। २१-२२ दिसम्बर को विभागीय छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ५५ छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

रा.से.यो. द्वारा अभिगृहीत गाँव में स्वच्छता अभियान

महामना मदन मोहन मालवीय जयंती

२४ दिसम्बर को, मालवीय जयंती की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय में पंण्डित महामना मदन मोहन मालवीय की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी।

फतेह सिंह व जोरावर सिंह बलिदान दिवस

२६ दिसम्बर को गुरु गोविन्द सिंह के दो पुत्रों फतेह सिंह व जोरावर सिंह जैसे दो देश भक्तों को औरंगजेब ने मुस्लिम धर्म स्वीकार करने के लिए बाध्य किया परन्तु इन दोनों ने इसका प्रतिकार किया, जिसके फलस्वरूप औरंगजेब के सूबेदार वजीर खान ने इन दोनों बच्चों को जिन्दा दीवार में चुनवा दिया। स्वाभिमान और स्वधर्म हेतु देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले इन दोनों गुरुपुत्रों के बलिदान को याद करते हुए महाविद्यालय परिवार ने बलिदान दिवस के अवसर पर इन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

महर्षि रमण जयंती

महान विचारक एवं आध्यात्मिक सन्त महर्षि रमण ने जनमानस को धर्म के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराने का जो कार्य किया है उसके लिए भारतीय समाज नित नतमस्तक है। ऐसे महान विचारक एवं महात्मा की जयंती के अवसर पर ३० दिसम्बर महाविद्यालय परिवार द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

सोमनाथ मन्दिर विध्वंस

७ जनवरी को महाविद्यालय की प्रार्थना सभा में सोमनाथ मँदिर विध्वंस के बारे में छात्रों को जानकारी दी गयी और मँदिर विध्वंस से बचाने के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देने वाले लोगों को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

भारत-भारती पखवारा १२ जनवरी से २६ जनवरी

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती से गणतन्त्र दिवस तक भारत भारती पखवाड़े का आयोजन किया गया। भारत-भारती पखवारा के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के भूतपूर्व अध्यक्ष, प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं संवेदनशील समाजसेवी प्रोफेसर प्रताप सिंह ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि अशिक्षा, गरीबी राष्ट्र उत्थान में सबसे बड़ी बाधा है। शिक्षा के माध्यम से उनको अन्याय और अत्याचार से मुक्ति दिलाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द का पूरा चिन्तन गरीबी और अशिक्षा से मुक्ति प्राप्त करने का संदेश देता है।

भारत-भारती पखवारा के उद्घाटन अवसर पर प्रो. प्रताप सिंह

कार्यक्रम में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डा. विजय चौधरी डा. मृत्युंजय सिंह, सुश्री दीप्ति गुप्ता, डा. यशवंत राव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

मेंहदी प्रतियोगिता

स्वामी विवेकानन्द स्मृति मेंहदी प्रतियोगिता

१२ जनवरी को स्वामी विवेकानन्द स्मृति मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की सुश्री शशि

चौहान को प्रथम, बी.काम. प्रथम वर्ष की सुश्री नेहा भारती को द्वितीय तथा बी.एड. की छात्रा सुश्री रिंकी रानी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

व्याख्यान प्रतियोगिता

अंग्रेजी विभाग द्वारा १३ जनवरी को व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के अंग्रेजी विभाग के ५४ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। बी.ए. द्वितीय वर्ष की सुश्री पल्लवी श्रीवास्तव, बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री सतीश पाण्डेय एवं बी.ए. तृतीय वर्ष की सुश्री निशा ज्योति को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

व्याख्यान प्रतियोगिता में पी.पी.टी. पर व्याख्यान देती छात्रा

गुरु श्री गोरक्षनाथ वॉलीबाल प्रतियोगिता

१३-१४ जनवरी को गुरु श्री गोरक्षनाथ स्मृति, वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में विजेता योगीराज बाबा गंभीरनाथ सेवाश्रम की टीम रही तथा उपविजेता का पदक छात्रसंघ की टीम ने प्राप्त किया। बालिका वर्ग में विजेता महारानी लक्ष्मीबाई टीम तथा उपविजेता मीराबाई टीम रही।

वॉलीबाल प्रतियोगिता में विद्यार्थी

शैक्षणिक भ्रमण

छात्रसंघ द्वारा १६ जनवरी को कुशीनगर जिले का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण में महाविद्यालय के ८५ छात्र/छात्राओं सहित शिक्षकों ने भी सहभाग किया।

योगीराज बाबा गम्भीरनाथ एकल गायन

१८ जनवरी को योगीराज बाबा गम्भीरनाथ एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, प्रतियोगिता में भजन गायन एम. एस-सी. द्वितीय वर्ष की अनुजा श्रीवास्तव को प्रथम स्थान, बी.ए.

एकल गायन प्रतियोगिता में छात्रा

प्रथम वर्ष की सुश्री वर्षा जायसवाल एवं बी.एड. की सुश्री रिंकी रानी को द्वितीय स्थान तथा एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष की सुश्री दीपिका मिश्रा और बी.एड. की सुश्री शालिनी श्रीवास्तव ने तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

देशभक्ति गीत में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के श्री समीर को प्रथम स्थान, एम.एस-सी. द्वितीय वर्ष के श्री अनूप कुमार तथा एम.काम. द्वितीय वर्ष के श्री रोहित को द्वितीय स्थान तथा एम.काम. प्रथम वर्ष के श्री सत्यम तथा बी. काम. सुश्री नेहा भारती को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

महाराणा प्रताप स्मृति व्याख्यान

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में १६ जनवरी को महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर आयोजित व्यख्यान में बतौर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के मध्यकालीन इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन भारत के लिए हमेशा प्रेरणादायी रहा है। उनका त्याग और बलिदान अनुकरणीय है। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने की।

व्याख्यान देते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

महाराणा प्रताप स्मृति निबन्ध प्रतियोगिता

१६ जनवरी को महाराणा प्रताप स्मृति निबन्ध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। बी.एड. प्रथम वर्ष की सुश्री वर्षा सिन्हा को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री शैलेष कुमार द्वितीय एवं बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की सुश्री गरिमा जायसवाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति एथलेटिक्स प्रतियोगिता

२० जनवरी को महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल ६० खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। गोला फेंक प्रतियोगिता में श्री तनवीर अहमद बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान, श्री आशीष राय एम.ए. प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री चन्द्र प्रकाश बी.ए. तृतीय वर्ष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद प्रतियोगिता में श्री शुभम शर्मा बी.काम. प्रथम

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

वर्ष ने प्रथम स्थान, श्री दीपक प्रजापति बी.काम. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री शैलेश कुमार चौहान बी.ए. तृतीय वर्ष और श्री अश्वनी प्रजापति बी.काम. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाला फेंक प्रतियोगिता में श्री शैलेष कुमार चौहान बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान, मेहताब अली बी.ए. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री आशीष राय एम.ए. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करता छात्र

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

२१ जनवरी को हिन्दी विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन विभाग प्रभारी डा. आरती सिंह के कुशल निर्देशन में किया गया, जिसमें तीनों वर्षों के कुल १८ छात्रों ने प्रतिभाग किया। बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री सुनील कुमार यादव, बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री सतीश पाण्डेय एवं तृतीय वर्ष की सुश्री रूपांजलि को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर घोषित किया।

राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ दौड़ प्रतियोगिता

२१ जनवरी को राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें १०० मीटर दौड़ बालक वर्ग में श्री बीरबल कुमार गुप्ता बी.ए. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान श्री मेहताब अली बी.ए. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री अश्वनी प्रजापति बी.काम. प्रथम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। १०० मीटर दौड़ बालिका वर्ग में सुश्री अमिता राय बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, सुश्री तेजस्विनी यादव बी.काम. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा सुश्री रंजना चौहान बी.ए. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। २०० मीटर दौड़ में श्री रिंकू यादव बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, श्री अश्वनी प्रजापति बी.काम. प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री दीपक प्रजापति बी.ए. द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ४०० मीटर दौड़ में श्री मुकेश कश्यप बी.ए. प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान, श्री संतोष कुमार निषाद बी.ए. तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा श्री अनूप कुमार यादव एम.एस-सी. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभागी

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में २२ जनवरी को नेताजी

सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता हिन्दुस्तान समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकार श्री अजय सिंह ने कहा कि स्वतन्त्रता के लिए नेताजी ने सब कुछ समर्पित करते हुए ब्रिटिश सत्ता के समक्ष जो चुनौती खड़ी की, उसका आज भी इतिहास के पन्नों में कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए नेता जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

व्याख्यान देते वरिष्ठ पत्रकार श्री अजय सिंह

सुभाष चन्द्र बोस स्मृति पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

२३ जनवरी को सुभाष चन्द्र बोस स्मृति पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सुश्री गरिमा जायसवाल बी.ए. प्रथम वर्ष को प्रथम स्थान, सुश्री रमनप्रीत कौर बी.एस-सी. तृतीय वर्ष को द्वितीय स्थान एवं सुश्री रिंकी रानी बी.एड. को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

राष्ट्रीय सेवा योजना : तृतीय एक दिवसीय शिविर

२४ जनवरी २०१६ को राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एक दिवसीय शिविर अभिगृहित गाँव एवं गोरक्षनाथ मंदिर में सेवा कार्य के साथ सम्पन्न हुआ। शिविर में खिचड़ी मेला में आये हुए दर्शनार्थियों का सहयोग एवं अभिगृहित गाँव में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

२५ जनवरी २०१६ को वनस्पति विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें वनस्पति विज्ञान तीनों वर्षों के कुल १६ विद्यार्थियों ने पावर प्वाइंट द्वारा वनस्पति विज्ञान के विभिन्न शीर्षकों पर अपना शोध व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसमें सुश्री जूही पाण्डेय तृतीय वर्ष प्रथम रही। सुश्री प्रियंका चौहान तृतीय वर्ष एवं सुश्री सुषमा सिंह प्रथम वर्ष क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए।

रंगोली प्रतियोगिता

२५ जनवरी को भारत भारती पखवारे के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सुश्री निशा वर्मा, श्री अनिकेत बी.ए. द्वितीय वर्ष को प्रथम स्थान श्री अंजनि, सुश्री चन्द्रकला, सुश्री अनुराधा बी.ए. द्वितीय वर्ष को द्वितीय स्थान तथा सुश्री काजल, सुश्री रिंकी बी.एड. को तृतीय स्थान मिला।

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी

भारत भारती पखवारा समापन एवं गणतन्त्र दिवस 26 जनवरी

२६ जनवरी का दिन हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन हमारे देश का संविधान लागू हुआ था। गणतंत्र दिवस का शुभारम्भ प्राचार्य द्वारा धवजारोहण के साथ शुरू हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम में छात्र/छात्राओं द्वारा राष्ट्रभक्ति गीत, नृत्य, काव्य पाठ, प्रेरणास्पद उद्बोधन के साथ गणतन्त्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत-भारती पखवारा आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर के मुख्य अतिथि मूल जी जेइठा कालेज, जलगाँव, महाराष्ट्र के डा. योगेश बोड़से रहे। समारोह की अध्यक्षता ने की।

समारोह उपरान्त शिक्षकों तथा कर्मचारियों के मध्य रस्सा कस्सी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों ने ३-० से बाजी मारी। इसी के साथ ही भारत-भारती पखवारे का समापन भी सम्पन्न हुआ।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि डा. योगेश बोरसे

राजनीति शास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान

२८ जनवरी को महाविद्यालय में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष की सुश्री मनीषा सिंह, बी.ए. द्वितीय वर्ष की सुश्री तनु कुमारी तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री अजहरूद्दीन अली को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कुल २० विद्यार्थियों में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभागी

समाजशास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान

२६ जनवरी को महाविद्यालय के समाजशास्त्र शोध व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ५२ छात्र-छात्राओं ने अपना हस्तलिखित शोध प्रपत्र प्रस्तुत किया। इसमें समाजशास्त्र विभाग के तीनों वर्ष के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से सहभाग किया।

व्याख्यान देते प्रतिभागी

बाह्य विषय विशेषज्ञों का महाविद्यालय भ्रमण

२६ जनवरी २०१६ को रक्षा एवं स्त्रातजिक अधययन विभाग एवं यू.जी.सी. द्वारा दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित ८वें पुन:श्चर्या पाठ्यक्रम में सहभाग करने वाले हरियाणा, महाराष्ट्र और उ.प्र. के कुल ९ प्रतिभागी शिक्षाविदों को महाविद्यालय में भ्रमण हेतु आमंत्रित किया गया। इन प्रतिभागियों ने न केवल रक्षा व स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की कार्य प्रणाली लैब, पुस्तकालय को देखा अपितु महाविद्यालय की अत्याधुनिक सुविधाओं अनुशासन तथा कार्य प्रणाली एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इन प्रतिभागियों ने अपने अनुभव तथा कार्य प्रणाली से महाविद्यालय के शिक्षकों तथा प्राचार्य को भी अवगत कराया महाविद्यालय भ्रमण पर आने वाले शिक्षकों में डा. रमा भाटिया-असिस्टेन्ट प्राफेसर, डी.ए.बी. कालेज, कानपुर, डा. योगेश बाजवान-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गवर्नमेन्ट कालेज, बहादुरपुर, श्री योगेश वीरसे-असिस्टेन्ट प्रोफेसर मल्ल जी जइथा, जलगांव महाराष्ट्र, अजय कुमार मिश्र-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, के.एस. साकेत पी.जी. कालेज अयोध्या, डा. राकेश इस्तवाल-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गवर्नमेन्ट डिग्री कालेज, गढ़वाल, डा. सतीश कुमार यादव-असिस्टेन्ट प्रोफेसर-गवर्नमेन्ट कालेज, हरियाणा, डा. नवीन कुमार-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, एफ.जी.एम. गवर्नमेन्ट कालेज, हिसार, डा. मनोज कुमार उनियल-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गवर्नमेन्ट पी.जी. कालेज, उत्तराखण्ड, डा. दीर्घपाल सिंह भण्डारी-असिस्टेन्ट प्रोफेसर, गवर्नमेन्ट कालेज, गढ़वाल।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

३० जनवरी २०१६ को वाणिज्य विभाग में 'कृषि योजनाओं का मूल्यांकन' विषय पर एक दिवसीय शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में १३ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें भूमि क्षरण, सिंचाई, हवाओं की दिशा, फसलों की उन्नत किस्म, वर्षा की मात्रा, फसल बीमा, विक्रय व्यवस्था, ऋण, अनुदान, किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन, मत्स्यपालन, भूमि अधिग्रहण नीति जैसे अनेक आयामों पर प्रकाश डालते हुए अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल बी.काम. तृतीय वर्ष को प्रथम स्थान, श्री अतुल कुमार दुबे, एम.काम. प्रथम वर्ष को द्वितीय स्थान तथा

श्री बिजेन्द्र कुमार यादव एवं सुश्री नम्रता पाण्डेय बी.काम. प्रथम वर्ष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

रा.से.यो. विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर डा. शेर बहादुर सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना : सात दिवसीय विशेष शिविर

१-७ फरवरी २०१६ को गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का संयुक्त सात दिवसीय विशेष शिविर अभिगृहित गाँव छोटी रेतवहिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। ०१ फरवरी को उद्घाटन कार्यक्रम में दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के प्राचार्य डॉ. शेर बहादुर सिंह, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने शिविरार्थियों को सम्बोधित किया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया तथा आभार कार्यक्रम अधिकारी डा. यशवंत कुमार राव ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह एवं सांस्कृतिक प्रभारी सुश्री दीप्ती गुप्ता सहित महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. बलवान सिंह

०२ फरवरी को बौद्धिक सत्र में भटवली पी.जी. कालेज उनवल बाजार के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. बलवान सिंह ने 'योग अध्यात्म और उसका जीवन में प्रभाव' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह आभार डा. यशवंत कुमार राव ने किया। इस अवसर पर डा. मृत्युजंय कुमार सिंह तथा सुश्री दीप्ती गुप्ता ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया।

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. वेद प्रकाश पाण्डेय

०३ फरवरी को 'विद्यार्थी में क्रियात्मक शक्ति का विकास' विषय पर किसान पी.जी. कालेज सेवरही कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने रोचक व्याख्यान प्रस्तुत कर शिविरार्थियों का मार्गदर्शन किया। संचालन आशीष राय ने

तथा आभार डा. मृत्युजंय कुमार सिंह ने किया।

०४ फरवरी को शिविरार्थियों का मार्गदर्शन महानगर के प्रतिष्ठित आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने 'प्रकृति और युवा' विषय पर व्याख्यान के माध्यम से किया। संचालन स्वयंसेवक अभिषेक चौधरी तथा आभार डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. दिनेश सिंह

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. राजकिशोर सिंह

०५ फरवरी को शिविर को सम्बोधित करते हुए बी.आर.डी. मेडिकल कालेज के एसोसिएट प्रो. डॉ. राजकिशोर सिंह ने शिविरार्थियों को स्वास्थ्य जीवन के मूलमंत्र दिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित डा. मृत्युजंय कुमार सिंह डा. यशवंत कुमार राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

०६ फरवरी को शिविर को दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के बी.एड. विभाग के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही ने 'भारतीय धर्म, शिक्षा और स्वामी विवेकानन्द' विषय पर शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

रा.से.यो. के बौद्धिक सत्र में डा. राजशरण शाही

रा.से.यो. के समापन समारोह में डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

०७ फरवरी को सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन अवसर पर शिविरार्थियों को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अजय शुक्ल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता किया। मुख्य अतिथि दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के मुख्य नियन्ता डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह रहे। समापन कार्यक्रम में मनमोहक

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

गोद लिए गाँव में जनजागरण अभियान

गोद लिए गाँव में बच्चों के बीच महाविद्यालय

सामाजिक संस्थागत दायित्व के अन्तर्गत ७ फरवरी को राजनीतिशास्त्र, भूगोल, रसायनशास्त्र, कम्प्यूटर साइंस, रक्षा अध्ययन, शिक्षाशास्त्र, गृहविज्ञान, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, समाजशास्त्र, गणित, सांख्यिकी आदि विभागों ने अपने-अपने अभिगृहित ग्राम में शिविर का आयोजन कर स्वच्छता शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। शेष अंग्रेजी, हिन्दी, इतिहास, प्राचीन इतिहास, भौतिकी, इलेक्ट्रानिक्स एवं बी.एड. विभाग में १० फरवरी को अपने-अपने अभिगृहित गाँव उक्त अभियान चलाया।

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

०३ फरवरी से २० फरवरी तक महाविद्यालय में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का कुशलता पूर्वक संचालन सम्पन्न हुआ। २२ फरवरी को इसका परिणाम सूचना-पट्ट पर घोषित कर दिया गया। इस परीक्षा में अपने-अपने विषयों में टापर्स विद्यार्थियों को अगले वर्ष के छात्र प्रवेश समिति में सदस्य नामित किया गया।

सरस्वती पूजन

सरस्वती पूजन

वसन्त पंचमी (१३ फरवरी) महाविद्यालय में सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्रायें सम्मिलित हुए। पूजन में मनोविज्ञान की प्रवक्ता सुश्री अपर्णा मिश्रा यजमान के रूप में सम्मिलित हुई।

एक संवाद : देश के लिए

एक संवाद : देश के लिए-कार्यक्रम

महाविद्यालय में २० फरवरी को 'एक संवाद : देश के लिए' कार्यक्रम के अन्तर्गत ''शैक्षिक संस्थाओं में राष्ट्रबोध'' विषय पर

संवाद कार्यक्रम जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय और जादवपुर विश्वविद्यालय में राष्ट्र विरोधी गतिविधियां के सन्दर्भ में आयोजित किया गया। इसमें प्रमुख रूप से प्रो. यू.पी. सिंह, प्रो. राम अचल सिंह, प्रो. सी.वी. सिंह, डॉ. एल.पी. पाण्डेय, डॉ. राजेश सिंह सहित अनेक विद्वानजन सम्मिलित हुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना : चतुर्थ एक दिवसीय शिविर

23 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना का चतुर्थ एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया अभिगृहीत गाँव, छोटी रेतवहिया में विशेष शिविर के उपरान्त कार्यों की समीक्षा की गयी तथा साफ-सफाई हेतु ग्रामवासियों को जागृत किया गया।

शिक्षक कार्यशाला

महाविद्यालय में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला शिक्षक कार्यशाला का आयोजन २४ से ३० अप्रैल के मध्य आयोजित है। शिक्षकों के अध्ययन-अध्यापन के अनवरत विकास यात्रा को जारी रखते हुए 'वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार' के माध्यम से शैक्षिक वातावरण को और उन्नत करने के उद्देश्य से आयोजित है।

शिक्षक कार्यशाला में प्रो. यू.पी. सिंह

नूतन आयाम

स्वैच्छिक श्रमदान

प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा सुविधानुसार स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को कक्षाएं ४० मिनट की चलाई जाती है तथा ११.३० से १.०० बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर

प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन विद्यार्थी द्वारा

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र-छात्रा की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन के अंक का उल्लेख होता है।

पीपीटी पर कक्षाध्यापन विद्यार्थी द्वारा

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की कम से कम पाँच कक्षायें अनिवार्यत: प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित की जाती है।

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ का लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से दिया जाता है।

प्रशासन में छात्र सहभाग एवं छात्रसंघ की भूमिका

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। छात्रसंघ अपने बजट का ७५ प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

छात्रसंघ साधारण सभा

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्रत्येक महा के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। छात्र अपनी समस्यायें रखता है, प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात को छात्र कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं ४० मिनट की चलती हैं।

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना प्रकाशित की जाती है एवं कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

दीवाल पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवाल पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवाल पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवाल पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवाल पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका के माध्यम से प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्र संत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध-पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है।

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय ऑनलाइन हो जाने तथा एन-लिस्ट की सुविधा से शिक्षक एवं विद्यार्थी विश्व के प्रमुख ग्रन्थालयों से जुड़ गये हैं और उत्तरोत्तर इसका लाभ उठा रहे हैं।

विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस-पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में ४ बार गोद लिए हुए गाँव में विद्यार्थियों के साथ पहुँचना होता है।

समावर्तन-२०१५

सत्र 2014-15 के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह 14 मार्च 2015 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर भारत सरकार के मानव संसाधन राज्य मंत्री प्रो. रामशंकर कठेरिया मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबन्धक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ महाराज ने की। विशिष्ट अतिथि के रुप में उ.प्र. सरकार के पूर्व मंत्री डा. नरेन्द्र कुमार सिंह गौर तथा यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद के एसोसिएट प्रोफेसर डा. विवेक निगम की गरिमामयी उपस्थिति हुई।

प्रार्थना सभा में मनाए गए दिवस

दिनाँक	दिवस
अगस्त	
14	महर्षि अरविंद जयंती की पूर्व संध्या
17	मदन लाल धींगड़ा बलिदान दिवस
24	राजगुरु जयन्ती
25	रास बिहारी बोस जयन्ती
26	रानी पद्मिनी जौहर दिवस
सितम्बर	
4	दादा भाई नौरोजी जयन्ती, रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि
5	शिक्षक दिवस
10	गोविन्द बल्लभ पंत, आचार्य विनोबा भावे जयन्ती
11	महादेवी वर्मा पुण्यतिथि
12	अहिल्याबाई होल्कर पुण्यतिथि, यतिन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस (पूर्व संध्या)
14	महादेवी वर्मा जयन्ती (हिन्दी दिवस)
15	एम. विश्वेश्वरैया जयंती (इन्जीनियर्स डे)
16	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
21	महर्षि दधीचि जयन्ती
22	गुरुनानक देव पुण्यतिथि
24	दीन दयाल उपाध्याय जयन्ती (पूर्व संध्या)
26	राजा राममोहन राय पुण्य तिथि (पूर्व संध्या)
28	सरदार भगत सिंह जयन्ती
29	ईश्वर चन्द विद्यासागर जयन्ती
अक्टूबर	
8	मुंशी प्रेमचन्द स्मृति दिवस
10	जयप्रकाश नारायण जयन्ती (पूर्व संध्या)
28	गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि
31	सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती

दिनाँक	दिवस
नवम्बर	
4	वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती
6	महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती
7	चन्द्रशेखर वेंकटरमण जयन्ती
14	विश्वामित्र जयन्ती, आचार्य विनोबा भावे जयन्ती
19	महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती
21	ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि कालीदास जयन्ती (पूर्व संध्या)
23	जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि
24	गुरुतेगबहादुर बलिदान दिवस
25	गुरुनानक जयन्ती
दिसम्बर	
3	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती
11	बिरसा मुंडा जयन्ती
14	बीर छत्रसाल पुण्यतिथि
15	सरदार भगत सिंह द्वारा साण्डर्स वध
16	विजय दिवस
17	ठाकुर रौशन सिंह एवं राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस
19	रामप्रसाद बिस्मिल, असफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस
24	अजीत सिंह, जुझार सिंह बलिदान दिवस
26	फतेह सिंह, जोरावर सिंह बलिदान दिवस
30	महर्षि रमण जयन्ती
जनवरी	
7	सोमनाथ मंदिर विध्वंस दिवस
14	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (पूर्व संध्या)
23	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
28	लाला लाजपत राय जयन्ती
30	महात्मा गाँधी पुण्यतिथि

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष	प्रो. यू.पी. सिंह	पूर्व कुलपति
उपाध्यक्ष	श्री धर्मेन्द्र नाथ वर्मा	अधिवक्ता
प्रबन्धक	श्री महन्त योगी आदित्यनाथ	सांसद
सदस्य	श्री प्रमोद चौधरी	प्रतिष्ठित व्यवसायी
	श्री पारसनाथ मिश्रा	अधिवक्ता
	श्री प्यारे मोहन सरकार	अधिवक्ता
	श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	शिक्षाविद्
	श्री योगी कमलनाथ	धर्माचार्य
	श्री रामजन्म सिंह	प्रधानाचार्य

शिक्षक-अभिभावक समिति

अध्यक्ष	श्री ए.के. सिंह	अभिभावक
उपाध्यक्ष	श्री दीपचन्द चौरसिया	अभिभावक
	श्री लक्ष्मण कुमार दास	अभिभावक
सचिव	श्री महेश सैनी	अभिभावक
सदस्य	डॉ. टी.एन. मिश्र	अभिभावक
	श्री इन्द्रजीत दूबे	अभिभावक
	श्री संजय जायसवाल	अभिभावक
	श्री दिलीप कुमार चौहान	अभिभावक
	श्रीमती आशा जायसवाल	अभिभावक
	श्री हरेन्द्र कुमार मिश्र	अभिभावक
	श्री राजेश भारती	अभिभावक
	डॉ. राम सहाय	शिक्षक

शिक्षक संघ

अध्यक्ष	श्रीमती कविता मन्ध्यान
उपाध्यक्ष	डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह
महामंत्री	श्री प्रदीप वर्मा
सदस्य	श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी
	डॉ. राजेश शुक्ल
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	श्री गोविन्द कुमार वर्मा

छात्र संघ

अध्यक्ष	श्री सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी	बी.ए. तृतीय वर्ष
उपाध्यक्ष	श्री महेश कुमार	बी.ए. तृतीय वर्ष
महामंत्री	श्री सतीश पाण्डेय	बी.ए. द्वितीय वर्ष

छात्र संघ के प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	प्रतिनिधि
रसायनशास्त्र	भाग-एक	अभिषेक चौहान
	भाग-दो	शुभम् सिंह
	भाग-तीन	प्रियंका चौहान
गणित	भाग-एक	नवाब अंसारी
	भाग-दो	सूरज खेतान
	भाग-तीन	निखिता सिंह
भौतिकी	भाग-एक	बजरंग बली
	भाग-दो	अवधेश कुमार
	भाग-तीन	दिव्यम् सिंह

छात्र संघ के प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	प्रतिनिधि
प्राणि विज्ञान	भाग-एक	राजनन्दिनी चौधरी
	भाग-दो	जूही पाण्डेय
	भाग-तीन	खुश्बू मिश्रा
वनस्पति विज्ञान	भाग-एक	दीपिका यादव
	भाग-दो	अर्चना गुप्ता
	भाग-तीन	अराधाना सिंह
कम्प्यूटर साइंस	भाग-एक	सौरभ जायसवाल
	भाग-दो	काली शंकर पाण्डेय
	भाग-तीन	नीरज शुक्ला
सांख्यिकी	भाग-एक	अंकित कुमार
	भाग-दो	ज्योति पाण्डेय
	भाग-तीन	निधि सिंह
बी.काम.	भाग-एक	शिवम् मिश्रा
	भाग-दो	अनुराग त्रिपाठी
	भाग-तीन	शुभम् पाण्डेय
हिन्दी	भाग-एक	सीमा प्रजापति
	भाग-दो	नन्दनी गुप्ता
	भाग-तीन	आनन्द कुमार चौरसिया
अंग्रेजी	भाग-एक	अंजनी चौहान
	भाग-दो	शिवांगी सिंह
	भाग-तीन	शबनम बानो
राजनीतिशास्त्र	भाग-एक	ज्ञान प्रताप सिंह
	भाग-दो	चन्द्रेश कुमार
	भाग-तीन	किरन चौहान
समाजशास्त्र	भाग-एक	बलवन्त कुमार मौर्या
	भाग-दो	तनु कुमारी
	भाग-तीन	निशा ज्योति

छात्र संघ के प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	प्रतिनिधि
प्राचीन इतिहास	भाग-एक	अनूप कुमार
	भाग-दो	राधिका चौहान
	भाग-तीन	मनीषा सिंह
इतिहास	भाग-एक	मुकेश कश्यप
	भाग-दो	कल्याणी भारती
	भाग-तीन	महेश कुमार
अर्थशास्त्र	भाग-एक	वन्दना भारती
	भाग-दो	संदीप प्रजापति
	भाग-तीन	मोनी शर्मा
भूगोल	भाग-एक	प्रियंका गुप्ता
	भाग-दो	निशा वर्मा
	भाग-तीन	सन्नी कुमार साहनी
मनोविज्ञान	भाग-एक	साक्षी मिश्रा
	भाग-दो	मयंक तिवारी
	भाग-तीन	सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी
रक्षा अध्ययन	भाग-एक	अविनाश कुमार पाण्डेय
	भाग-दो	सतीश पाण्डेय
	भाग-तीन	सोनू कुमार सिंह
गृह विज्ञान	भाग-एक	श्वेता सिंह
संस्कृत	भाग-एक	लागू नहीं
शिक्षाशास्त्र	भाग-एक	रोशनी
बी.एड.	भाग-एक	काजल चौरसिया
प्राचीन इतिहास (एम.ए.)	भाग-एक	आशीष राय
	भाग-दो	लागू नहीं
रसायनशास्त्र (एम.एस-सी.)	प्रथम वर्ष	किरन सिंह
	अन्तिम वर्ष	रूखसार परवीन
राजनीतिशास्त्र (एम.ए.)	भाग-एक	राकेश कुमार
वाणिज्य (एम.काम.)	भाग-एक	कृष्णा यादव

पुरातन छात्र परिषद

अध्यक्ष	श्री मनीष कुमार दूबे
उपाध्यक्ष	श्री कृष्णानन्द
उपाध्यक्ष	श्री दीपचन्द
महामंत्री	श्री गौरव कुमार सिंह
सहमंत्री	श्री विशाल कुमार
सहमंत्री	श्री चन्द्रभान गुप्त
सदस्य	श्री सुजीत कुमार सिंह
	श्री दीपक कुमार
	श्री जयहिन्द यादव
	श्री सचिन कुमार
	श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय
	सुश्री सृष्टि सिंह
	श्री त्रिपुरेश कुमार
	श्री सुजीत कुमार सिंह
	श्री अनिल कुमार गुप्त

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. आर.एन. सिंह
सदस्य	डॉ. विजय कुमार चौधरी
	डॉ. शिव कुमार वर्मा
	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
	सुश्री कविता मान्ध्यान
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
	श्री मंजेश्वर

छात्र नियन्ता मण्डल

प्रभारी	डॉ. आर.एन. सिंह
सदस्य	श्री आशीष राय
	सुश्री निशा ज्योति
	श्री ज्ञान प्रताप सिंह
	सुश्री प्रियंका गुप्ता
	श्री अभिषेक चौहान
	श्री अंजनी चौहान
	श्री दिव्यम सिंह
	सुश्री तनु कुमारी

प्रवेश समिति

संयोजक	डॉ. विजय कुमार चौधरी
सदस्य	डॉ. अरूण कुमार राव
	डॉ. रामसहाय
	श्री सुबोध कुमार मिश्र
	डॉ. राजेश कुमार शुक्ल
	श्री नन्दन शर्मा
	श्री विनय कुमार सिंह
	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
	सुश्री मनीता सिंह
	श्री सुभाष गुप्ता
	डा. अपर्णा मिश्रा

चक्रानुक्रम में महाविद्यालय के
सभी प्राध्यापकों का सहयोग लिया जाता है।

प्रवेश समिति सदस्य (छात्र/छात्राएं)

छात्र का नाम	कक्षा
अर्चना गुप्ता	बी.एस-सी. भाग-दो
निकिता सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
ज़िवा खातुन	बी.एस-सी. भाग-दो
प्रियंका चौहान	बी.एस-सी. भाग-तीन
गीता सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
शुभम् पाण्डेय	बी.काम. भाग-तीन
श्वेता मौर्या	बी.काम. भाग-तीन
आदित्य कुमार पाण्डेय	बी.काम. भाग-तीन
सुष्मिता सिंह	बी.काम. भाग-दो
नन्दिनी गुप्ता	बी.ए. भाग-दो
तनु कुमारी	बी.ए. भाग-दो
प्रियंका मणि	बी.ए. भाग-दो

प्रवेश समिति में उन छात्र-छात्राओं को चयनित किया जाता है जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपने वर्ग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं।

प्रयोगशाला छात्र समिति

डा. शिव कुमार बर्नवाल, सुश्री प्रियंका मिश्रा

अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, रसायन, प्रभारी प्रयोगशाला समिति

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री प्रियंका चौहान	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री खुश्बू	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री अराधना सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री बलवंत कुमार मौर्या	बी.ए. भाग-एक

छात्रा समिति

सुश्री मनीता सिंह

अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, भौतिकी, प्रभारी छात्रा समिति, समन्वयक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री विन्दा साहनी	बी.एड.
सुश्री निखिता सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री गीता सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री निषा वर्मा	बी.काम. भाग-दो

कर्मचारी संघ

अध्यक्ष	श्री सुभाष कुमार
उपाध्यक्ष	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव
महामंत्री	श्री झब्बर शर्मा
सदस्य	श्री विश्वनाथ
	श्री गौरव जायसवाल
	श्री विजय कुमार मिश्र
	श्री राम रतन

स्वच्छता छात्र समिति

श्री विनय कुमार सिंह

अस्सिटेन्ट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री नीरज शुक्ला	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री निधि सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
सुश्री रोशनी	बी.ए. भाग-एक
सुश्री काजल चौरसिया	बी.एड. प्रथम वर्ष

क्रीड़ा छात्र समिति

डा. मृत्युन्जय कुमार सिंह
क्रीड़ा अधीक्षक

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री मयंक तिवारी	बी.ए. भाग-दो
श्री संदीप प्रजापति	बी.ए. भाग-दो
श्री सौरभ जायसवाल	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री बजरंग बली	बी.एस-सी. भाग-तीन
श्री मुकेश कश्यप	बी.ए. भाग-एक
सुश्री ज्योति पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-दो
श्री शिवम् मिश्रा	बी.काम. भाग-एक
श्री अंकित वर्मा	बी.एस-सी. भाग-एक

छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

सुश्री दीप्ति गुप्ता
प्रभारी

श्रीमती कविता मान्ध्यान
सह प्रभारी

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री मनीषा सिंह	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री शशि गुप्ता	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री मोनी शर्मा	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री साक्षी मिश्रा	बी.एस-सी. भाग-एक

पुस्तकालय छात्र समिति

श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, गणित विभाग
श्री गौरव कुमार जायसवाल, पुस्तकालयाध्यक्ष

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री चन्द्रेश कुमार	बी.ए. भाग-दो
श्री अविनाश कुमार पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री आनंद चौरसिया	बी.ए. भाग-तीन
श्री किरन चौहान	बी.ए. भाग-तीन
काली शंकर पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग-दो
कु. दीपिका यादव	बी.एस-सी. भाग-एक
श्री शुभम् पाण्डेय	बी.काम. भाग-तीन

बागवानी छात्र समिति

सुश्री आम्रपाली वर्मा
वनस्पति विज्ञान विभाग

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री अर्चना गुप्ता	बी.एस-सी. भाग-दो
श्री सोनू कुमार सिंह	बी.ए. भाग-तीन
श्री नवाब अंसारी	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री श्वेता सिंह	बी.ए. भाग-एक
सुश्री कृष्णा यादव	एम.काम. भाग-एक
सुश्री मनीषा सिंह	बी.ए. भाग-तीन
सुश्री प्रियंका गुप्ता	बी.ए. भाग-एक

प्रार्थना छात्र समिति

श्री सुबोध कुमार मिश्र, प्रभारी

श्री गोविन्द कुमार वर्मा, सह प्रभारी

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
सुश्री राजनन्दिनी चौधरी	बी.एस-सी. भाग-एक
सुश्री राधिका चौहान	बी.ए. भाग-दो
सुश्री सीमा प्रजापति	बी.ए. भाग-एक
सुश्री वन्दना भारती	बी.ए. भाग-एक

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
महन्त योगी आदित्यनाथ जी, प्रबन्धक	सदस्य
प्रो. यू.पी. सिंह, बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह, बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. शेर बहादुर सिंह, बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष कुमार दूबे, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
डॉ. टी.एन. मिश्रा, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. आर.एन. सिंह, अनुशासन	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. कविता मान्ध्यान, शिक्षक	सदस्य
डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, समन्वयक/सचिव	सदस्य
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज	
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. शुभान्शु शेखर सिंह	प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	टराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी गयवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप सिंह	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरूण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नयी दिल्ली (भारत)

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव
शोध समन्वयक	श्री सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. यू.पी. सिंह
	प्रो. शिवाजी सिंह
	प्रो. कपिल कपूर
	डॉ. सन्तोष शुक्ला
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक

महाविद्यालय परिवार

अध्यक्ष

प्रो. यू.पी. सिंह

पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.

प्रबन्धक

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज

सदर सांसद, गोरखपुर

प्राचार्य

डॉ. प्रदीप कुमार राव

शिक्षक - डॉ. विजय कुमार चौधरी-भूगोल, डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही-भूगोल, श्री प्रकाश प्रियदर्शी-समाजशास्त्र, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह-रक्षा अध्ययन, श्री सुबोध मिश्र-प्राचीन इतिहास, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह-इतिहास, श्रीमती कविता मन्ध्यान-अंग्रेजी, श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी-गणित, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह-राजनीतिशास्त्र, डॉ. आरती सिंह-हिन्दी, सुश्री मनीता सिंह-भौतिकी, डॉ. शिव कुमार वर्नवाल-रसायन विज्ञान, डॉ. राम सहाय-रसायन विज्ञान, सुश्री प्रियंका मिश्रा-रसायन विज्ञान, श्री प्रदीप कुमार वर्मा-रसायन विज्ञान, श्री प्रखर वैभव सिंह-इलेक्ट्रानिक, डॉ. अरूण कुमार राव-सांख्यिकी, डॉ. संजय कुमार तिवारी-कम्प्यूटर साइंस, श्री विरेन्द्र कुमार तिवारी-कम्प्यूटर साइंस, डॉ. अभय श्रीवास्तव-वनस्पति विज्ञान, सुश्री आम्रपाली वर्मा-वनस्पति विज्ञान, श्री प्रतीक दास-गणित, श्री गोविन्द कुमार वर्मा-शिक्षाशास्त्र, डॉ. प्रवेश कुमार मिश्र-मनोविज्ञान, डॉ. अपर्णा मिश्रा-मनोविज्ञान, डॉ. कृष्ण कुमार पाठक-राजनीतिशास्त्र, डॉ. शक्ति सिंह-गृहविज्ञान, डॉ. अभिषेक वर्मा-भौतिकी, श्री वागीश राज पाण्डेय-वाणिज्य, डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर-भौतिकी, श्रीमती पुष्पा निषाद-बी.एड., श्री अंशुमान सिंह-रक्षा अध्ययन, श्रीमती पूजा पाण्डेय-बी.एड., डॉ. यशवन्त कुमार राव-राजनीतिशास्त्र, श्री मंजेश्वर-अर्थशास्त्र, सुश्री अंजली-बी.एड., श्रीमती शिप्रा सिंह-बी.एड., डॉ. मृत्यंजय सिंह-क्रीड़ा विभाग, श्री नन्दन शर्मा-वाणिज्य, डॉ. राजेश शुक्ला-वाणिज्य, श्री सुभाष गुप्ता-वाणिज्य, डॉ. आर.एन. सिंह-प्राणि विज्ञान, श्री विनय कुमार सिंह-प्राणि विज्ञान, सुश्री दीप्ति गुप्ता-सांस्कृतिक विभाग, श्री भूपेन्द्र गुप्ता-बी.एड. विभाग।

कर्मचारी - श्री सुभाष कुमार, श्री संजय कुमार शर्मा, श्री प्रदीप कुमार यादव, श्री संतोष श्रीवास्तव, श्री महेश कुमार, श्री अमित कुमार, श्री राम रतन, श्री ओम प्रकाश, श्री झब्बर शर्मा, श्री अरविन्द सिंह, श्री रमाकान्त, श्री विजय कुमार मिश्र, श्री गौरव जायसवाल, श्री धुकेश शर्मा, श्री अमित शर्मा, सुश्री गीतू सहानी, श्री आशीष सिंह, श्रीमती कमलावती प्रजापति (सिलाई-कढ़ाई), श्री विश्वनाथ, श्री योगेन्द्र, श्री लालसा, श्री राम आशीष, श्री धर्मवीर, श्री विनोद, श्री राजाराम, श्री अभय प्रताप सिंह, श्रीमती कमलावती, श्री गुड्डी देवी।

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के पाँच श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर सँक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- १६ जुलाई से स्नातक/स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- १ अगस्त से स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्नुरूप ३० जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करने की योजना का क्रियान्वयन।
- १६ अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्बर प्रथम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापक।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- प्रत्येक सोमवार एवं कार्यक्रमों में गणवेश निर्धारित।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रथम तीन छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- परीक्षा से पूर्व समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- नवम्बर माह में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगीराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण बच्चों हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- हमारे महापुरुष, जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

संकल्प

मैं .....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती .....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूंगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातक संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा